जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 13 जून, 2026

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

अब होगा भारत के हर किचन पर कब्जा !
केडिया पवित्र चाय का

SILIGURI'S FINEST TEA
SUPERIOR HANDPICKED CTC BLEND
RICH & BOLD AROMA
POWERFUL FLAVOUR
STRONG GOLDEN LIQUOR
EXCEPTIONAL TASTE

MRP ₹300.00
500 g

MUST TRY :

TEA MASALA AND OTHER BLENDED SPICES

केडिया पवित्र टीम को अपनी दुकान में बुलाने के लिये
या अपनी नजदीकी दुकान तक केडिया पवित्र उपलब्ध करवाने के लिए
अपनी गूगल लोकेशन 90704-90704 पर WhatsApp करें या 1800-120-2727 पर कॉल करें।
हमारी टीम 24 घंटे के भीतर प्रोडक्ट्स की डिलीवरी एवं उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

अगर आप किसी भी FMCG कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर के यहाँ सेल्समैन हैं
तो डायरेक्ट केडिया पवित्र में जॉब हेतु आवेदन करें:
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 90704-90704

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

कार्य ही सफलता की बुनियाद है। –पाब्लो पिकासो

झाला मान सिंह का अमर बलिदान: क्या मेवाड़ अपने सबसे महान स्वामीभक्त को भूल गया?

मेवाड़ के इतिहास में त्याग और बलिदान की गाथाएं अत्यंत गौरवशाली हैं, जिसमें बप्पा रावल, महाराणा सांगा, महाराणा प्रताप, रानी पद्मिनी और पन्ना धाय जैसे वीरों का योगदान प्रमुख है। परन्तु 18 जून 1576 को हल्दीघाटी की रणभूमि में एक ऐसा बलिदान हुआ, जिसकी मिसाल विश्व इतिहास में भी दुर्लभ है। एक योद्धा ने अपने स्वामी के प्राणों की रक्षा के लिए स्वयं मृत्यु को गले लगा लिया। उसने न राज्य माँगा, न यश, न पुरस्कार। उसने केवल अपना कर्तव्य निभाया और अपना शीश मातृभूमि तथा स्वामी के चरणों में अर्पित कर दिया। वह योद्धा था–बड़ी सादड़ी का राजराणा झाला मान सिंह (झाला मन्ना)।

आज, लगभग साढ़े चार शताब्दियों बाद, एक प्रश्न इतिहास के पन्नों से उठकर हमारे सामने खड़ा है–क्या मेवाड़ ने अपने इस महानतम स्वामीभक्त के साथ न्याय किया? क्या जिस वीर ने महाराणा प्रताप को बचाकर मेवाड़ के इतिहास को जीवित रखा, उसे वह सम्मान मिला जिसका वह वास्तविक अधिकारी था?

यदि हल्दीघाटी के युद्ध में झाला मान सिंह अपना बलिदान नहीं देते, तो क्या महाराणा प्रताप जीवित बच पाते? यदि प्रताप जीवित नहीं बचते, तो क्या मेवाड़ का स्वतंत्रता संठाम आगे बढ़ पाता? क्या दिवेर की विजय संभव होती? क्या महाराणा प्रताप आज भारतीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक बन पाते?

इन प्रश्नों का उत्तर इतिहास स्वयं देता है।

जब महाराणा प्रताप मुगल सेना से घिर चुके थे और युद्ध का पलड़ा प्रतिकूल होता जा रहा था, तब झाला मान सिंह ने महाराणा के सिर से राजमुकुट और राजचिह्न उतारकर स्वयं धारण कर लिए। वे जानते थे कि इसका अर्थ है निश्चित मृत्यु। फिर भी वे आगे बढ़े। मुगल सेना उन्हें ही महाराणा प्रताप समझकर उन पर टूट पड़ी और वे रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। उधर महाराणा प्रताप को सुरक्षित निकलने का अवसर मिल गया।

वास्तव में उस दिन हल्दीघाटी में दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो आदर्शों का अमर जन्म हुआ–एक ओर स्वतंत्रता, स्वाभिमान और संघर्ष के प्रतीक महाराणा प्रताप और दूसरी ओर स्वामिभक्ति, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा के सर्वोच्च प्रतीक झाला मान सिंह।

दुर्भाग्य यह है कि इतिहास ने एक को शिखर पर स्थापित कर दिया और दूसरे को धीरे–धीरे हाशिए पर धकेल दिया।

आज देश का बच्चा–बच्चा चेतक का नाम जानता है। महाराणा प्रताप पर असंख्य पुस्तकें लिखी गईं, स्मारक बने, डाक टिकट जारी हुए, विश्वविद्यालयों और संस्थानों का नामकरण हुआ। यह सब होना भी चाहिए, क्योंकि प्रताप राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। लेकिन उसी इतिहास में झाला मान सिंह का नाम प्रायः कुछ पंक्तियों तक सीमित रह गया।

क्या यह न्याय है?

जिस व्यक्ति ने स्वयं को मृत्यु के मुख में झोंककर प्रताप को बचाया, उसका नाम विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में प्रमुखता से क्यों नहीं है? उसके जीवन और बलिदान पर राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त शोध क्यों नहीं हुआ? उसके नाम पर बड़े स्मारक, संग्रहालय और अध्ययन केंद्र क्यों नहीं स्थापित किए गए? क्यों उसकी गाथा आज भी राजस्थान के सीमित भूभाग तक ही सिमटी हुई है?

> **जब सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा अपेक्षित स्तर पर स्मरण नहीं किया गया, तब समाज ने स्वयं आगे बढ़कर इस अमर बलिदानी की स्मृति को जीवित रखने का दायित्व निभाया है। बड़ी सादड़ी जैन मित्र मंडल का यह प्रयास इस बात का प्रमाण है कि झाला मान सिंह का बलिदान आज भी जनमानस में जीवित है और समाज का एक वर्ग उन्हें वह सम्मान दिलाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है, जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं।**

और सबसे बड़ा प्रश्न–क्या मेवाड़ के शासक वंश तथा उनके उत्तराधिकारियों ने अपने इस महान स्वामीभक्त की स्मृति को उतनी ही श्रद्धा और गंभीरता से संरक्षित किया, जितनी श्रद्धा वह अपेक्षित करता था?

इतिहास केवल राजाओं का नहीं होता। इतिहास उन लोगों का भी होता है जिन्होंने राजाओं को इतिहास बनने का अवसर दिया। यदि महाराणा प्रताप संघर्ष के नायक थे, तो झाला मान सिंह उस संघर्ष के सबसे बड़े सहायक, संरक्षक और रक्षक थे। एक ने स्वतंत्रता की मशाल थामी, तो दूसरे ने अपने प्राण देकर उस मशाल को बुझने से बचाया।

विडम्बना यह है कि आज हल्दीघाटी का नाम सुनते ही प्रताप और चेतक की छवि सामने आती है, लेकिन झाला मन्ना की स्मृति बहुत पीछे छूट जाती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो इतिहास ने उनके बलिदान को स्वीकार तो किया, किन्तु उसे वह स्थान नहीं दिया जिसका वह अधिकारी था।

यह लेख किसी व्यक्ति, परिवार या संस्था की आलोचना के लिए नहीं, बल्कि इतिहास के एक अधूरे ऋण की याद दिलाने के लिए लिखा जा रहा है। राष्ट्र उन लोगों का सदैव ऋणी रहता है जिन्होंने अपने स्वार्थों का त्याग कर उसके गौरव और अस्तित्व की रक्षा की। यदि हम ऐसे बलिदानियों को विस्मृत कर देते हैं, तो हम अपनी ऐतिहासिक चेतना का एक महत्वपूर्ण भाग खो देते हैं।

समाज निभा रहा है स्मृति संरक्षण का दायित्व

जहाँ संस्थागत स्तर पर झाला मान सिंह के बलिदान को अपेक्षित राष्ट्रीय पहचान नहीं मिल पाई, वहीं समाज के कुछ जागरूक वर्ग उनकी स्मृति को जीवित रखने का उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। विशेष रूप सेबड़ी सादड़ी जैन मित्र मंडल के सैकड़ों सदस्य पिछले लगभग दो दशकों से प्रतिवर्ष 18 जून को उदयपुर स्थित मोती मंगरी के महाराणा प्रताप स्मारक परिसर में स्थापित झाला मान सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते आ रहे हैं।

इस अवसर पर संगोष्ठियों, विचार गोष्ठियों तथा ऐतिहासिक परिचर्चाओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें झाला मान सिंह के अद्वितीय बलिदान, स्वामिभक्ति और राष्ट्रनिष्ठा पर विस्तार से चर्चा होती है। यह अभियान केवल एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के एक उपेक्षित नायक को उसका उचित स्थान दिलाने का सतत सामाजिक प्रयास है।

जब सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा अपेक्षित स्तर पर स्मरण नहीं किया गया, तब समाज ने स्वयं आगे बढ़कर इस अमर बलिदानी की स्मृति को जीवित रखने का दायित्व निभाया है। बड़ी सादड़ी जैन मित्र मंडल का यह प्रयास इस बात का प्रमाण है कि झाला मान सिंह का बलिदान आज भी जनमानस में जीवित है और समाज का एक वर्ग उन्हें वह सम्मान दिलाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है, जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं।

समय की मांग

आज आवश्यकता है कि झाला मान सिंह के बलिदान को राष्ट्रीय स्तर पर पुनः प्रतिष्ठित किया जाए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में उनके योगदान को उचित स्थान मिले। हल्दीघाटी और बड़ी सादड़ी में उनके नाम पर भव्य स्मारक, शोध केंद्र और संग्रहालय स्थापित किए जाएँ। उनके जीवन और बलिदान पर वृत्तिचत्र, शोध ग्रंथ और साहित्यिक कृतियों को प्रोत्साहित किया जाए।

18 जून केवल हल्दीघाटी युद्ध की स्मृति का दिन नहीं है; यह उस दिन की स्मृति भी है जब एक राजपूत योद्धा ने अपने स्वामी को बचाने के लिए स्वयं मृत्यु का वरण किया था। यह दिन जितना महाराणा प्रताप का है, उतना ही श्रद्धा और सम्मान के साथ झाला मान सिंह का भी है।

इतिहास का न्याय तभी पूर्ण होगा जब हल्दीघाटी का स्मरण करते समय हम यह स्वीकार करेंगे कि महाराणा प्रताप की अमर गाथा के पीछे एक और अमर नाम खड़ा है–झाला मान सिंह।

जिस वीर ने अपने स्वामी का मुकुट अपने सिर पर रखकर मृत्यु को स्वीकार किया, वह केवल मेवाड़ का नहीं, सम्पूर्ण भारत का गौरव है। जब तक उसके बलिदान को राष्ट्रीय स्मृति में वह स्थान नहीं मिलेगा जिसका वह अधिकारी है, तब तक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय अधूरा ही रहेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

डिजिटल दुनिया में फेक एस्ट्रोलॉजर, फेक काउंसलर, फेक एडवाइजर

सब कुछ फेक, कितना हकीकत, कितनी धोखाधड़ी!

सुनील दत्त गोयल

जब से डिजिटल दुनिया और ई–कॉमर्स व्यापार का विस्तार हुआ है, भारत में धोखाधड़ी की असीमित संभावनाएं बढ़ गई हैं और बन भी गई हैं। बहुत लोगों को ई–कॉमर्स पर दिनभर शॉपिंग करने का नशा चढ़ गया है। इस बहाव में ये बड़ी ई–कॉमर्स कंपनियां न अपने सप्लायर को आइडेंटिफाई करती हैं, न रिकॉग्नाइज। इन पर कोई भी ऑनलाइन रजिस्टर कर ले, और माल बेचने का कॉन्ट्रैक्ट साइन हो जाएगा। इन कंपनियों को कोई मतलब नहीं है कि जो एम्पैनल दुकानदार है, वह प्रोड्यूसर है, मैन्युफैक्चरर है, एक्सपोर्टर है, वह सामान डिलीवरी टाइम पर देगा या नहीं देगा, सामान खराब हुआ तो वापस होगा या नहीं होगा, नहीं करेगा तो कस्टमर को पैसा कैसे मिलेगा।

मेरा स्वयं का भी अमेज़न से एक्सपीरियंस है कि आज से 3 साल पहले जो सामान रिटर्न मैंने किया, उसका पैसा आज तक नहीं आया। थर्ड क्लास क्वालिटी का सामान मुझे मिला। सामान वापस करने में बड़ी मुश्किल हुई और उसका आज तक पैसा नहीं मिला। अमेज़न में सुनने वाला कोई नहीं है। इस बात के सबूत मेरे पास हैं। मेरे जैसे हजारों–लाखों लोग होंगे जो इस तरह की व्यवस्था और धोखाधड़ी के शिकार होते हैं।

यही हालत जितनी भी फूड एग्रीगेटर कंपनियां हैं, उनके साथ है कि घर के कमरे में दो लोग मिलकर जिस भी क्वालिटी का खाना बना रहे हैं, वह खाना बिक जाता है। इएऐंघ का लाइसेंस, फूड लाइसेंस हिंदुस्तान में किस तरह मिलता है, उसके लिए कोई लिखने की जरूरत ही नहीं है। पैसा दो और जो मर्जी लाइसेंस ले लो, मिल जाता है। खाना बनाने वाला भी जानता है कि वह जो बना रहा है, वह उच्च गुणवत्ता का नहीं है और अगर उसको अपने बच्चों को खाना खिलाना पड़े तो नहीं खिलाएगा। लेकिन उसे अनैतिक सोच से पैसा कमाना जरूरी लगता है क्योंकि उसके खर्च बढ़ चुके हैं और उसे धोखाधड़ी करने में कोई शर्म महसूस नहीं होती। वह जानता है कि वह छोटे स्तर की धोखाधड़ी कर रहा है जो बड़े स्तर पर हो रही है। धोखा खाने वाला व्यक्ति कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगा क्योंकि उसे पहले वकीलों से दो–चार होना पड़ेगा और कोर्ट या पुलिस के चक्कर काटने पड़ेंगे, तब उसके मुकदमे का निस्तारण होगा या नहीं होगा, भगवान जाने। पुलिस थाने से मदद मिल जाएगी, यह संभावना आम आदमी के लिए आज भी दुश्वार है। 200 साल पहले भी यही हालात थे और आज भी स्थिति वैसी ही है, बल्कि और बिगड़ी हुई है। कुछ सुधार की उम्मीदें भी नहीं हैं।

चाहे न्यायिक प्रक्रिया हो, पुलिस प्रशासन हो या सामान्य प्रशासन – यह आम आदमी के लिए भारत में बने ही नहीं हैं। यह खास लोगों को प्रोटेक्शन देने के लिए बनाए गए हैं, ऐसी आम धारणा लोगों में है। आम जन में इन संस्थाओं का विश्वास न के बराबर है। जिस भी व्यक्ति का उसके पक्ष में फैसला हो जाता है, वह बढ़–चढ़कर इन संस्थाओं के गुणगान करता है और बेचारा पीड़ित व्यक्ति तो क्या ही बोलेगा, वह तो चोट खाकर चुपचाप पड़ा रहता है। आज कम समय में ज्यादा पैसा कमाने की ललक लोगों में पैदा हो गई है। गांव, गली, मोहल्ले की महिलाओं तक, रील बनाना, अश्लील, आपत्तिजनक, द्विअर्थी शब्दों का उपयोग करना और अंग प्रदर्शन से पैसा कमाने की चाहत रखना बहुत आम बात हो गई है। अगर पैसा नहीं मिलता है तो डिप्रेशन में चले जाना भी आम हो गया है। अभी पिछले हफ्ते ही समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था कि राजस्थान की एक महिला ने सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली।

कुछ वर्षों पहले टीवी पर एकता कपूर के सीरियल्स का लगातार बोलबाला था, जिनमें अक्सर एक पुरुष के कई महिलाओं से संबंध या एक महिला के कई पुरुषों से संबंध जैसी कहानियां दिखाई जाती थीं। यह केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि समाज की मानसिक कुंठाओं और असुरक्षाओं को बेहद चालाकी से प्रस्तुत करने का तरीका था। इन धारावाहिकों ने धीरे–धीरे लोगों के मन में शक, असुरक्षा और अविश्वास का बीज बो दिया। हालत यह हो गई कि पति–पत्नी पर शक करने लगे और पत्नी पति पर। आज जो नया दौर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर चल रहा है, वह उससे भी ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि लगातार दिखाई जाने वाली सामग्री इंसान के सोचने–समझने की क्षमता को प्रभावित कर रही है। धीरे–धीरे दर्शकों का दिमाग जैसे गिरवी रखा जा रहा है और उन्हें उसी दिशा में सोचने के लिए मानसिक रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, जैसे किसी व्यक्ति को सम्मोहित किया जाता है।

ऐसे ही हर व्यक्ति यह जानने को उत्सुक हो चुका है कि उसका भविष्य कैसा होगा। जिस चीज की डिमांड होती है, उसी तरह के लोग या उत्पाद बाजार में उपलब्ध हो जाते हैं, तो फिर फेक एस्ट्रोलॉजर, काउंसलर, एडवाइजर भी पैदा हो गए। हमें कैसा खाना चाहिए – दिखने में सुंदर हो, ज़ुबान पर स्वाद हो – तो उसी हिसाब से बाजारों में नकली खाद्य पदार्थ बनने लग गए। आज हालात ये हैं कि देसी घी की मिठाइयां, सर्दी में जमती नहीं हैं और गर्मी में पिघलती नहीं हैं। अगर आप रसगुल्ले की बात करें तो ऐसे भुरभुरे बनने लग गए जैसे बुरादे की तरह बिखर जाते हैं। चाशनी के नाम पर उसमें पानी डाला जाने लगा। क्योंकि ग्राहक को कम मीठा चाहिए। अब तो हालत ये हैं कि आम या नींबू का अचार बहुत ज्यादा खट्टा नहीं हो। यह जो हमारी अपेक्षाएं हैं, यही से बाजार में दुकानदारों को हमारी इच्छा के अनुरूप सामान बनाकर बेचना मजबूरी बन जाता है। और वहीं से शुरू होता है नकली सामान का गोरखधंधा।

उसका असर यह है कि आज हर अखबार विज्ञापनों से भरा हुआ है, हर बड़े अस्पताल में कैंसर सेंटर खुल रहे हैं और कैंसर तेजी से बढ़ता बाजार बन चुका है। हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के बाद अब कैंसर इस देश का सबसे बड़ा रोग बनता जा रहा है।

योग्य डॉक्टरों का अभाव है, नई जनरेशन डॉक्टर बनना नहीं चाहती और बने तो बहुत सारी विकट समस्याओं का सामना करना पड़ता है – लंबा कोर्स, लंबी समस्याएं। इसके बारे में पहले भी एक आर्टिकल, जिसका शीर्षक दिया था – चिकित्सक: वर्षों की तपस्या, भारी निवेश और समाज की विडम्बना।

तो इस आभासी दुनिया में सबसे बड़ा आराम है कि आपको कहीं जाना नहीं है, कुछ नहीं करना है। एक कमरे में बैठो, लैपटॉप न भी हो तो मोबाइल पर सारे ऐप मौजूद हैं। सारे अच्छे और बुरे कर्म करने के लिए उसके अंदर परमिशन मौजूद है। यह बिलकुल वैसे ही है जैसे छुरी से सब्ज़ी भी काट सकते हैं और किसी की जान भी ले सकते हैं और आग से रोटी भी पका सकते हैं और किसी का घर भी जला सकते हैं। वैसे ही आधुनिक डिजिटल संसाधनों का उपयोग या दुरूपयोग करना आप पर निर्भर है।

आज हमारे जो नैतिक मूल्य हैं, उनका इतना ह्रास हो चुका है, इतना पतन हो चुका है कि हम चंद रुपयों के लालच में किसी को कितना बड़ा नुकसान हो, उसको करने में नहीं हिचकते। यही वजह है कि डिजिटल दुनिया आज आपकी डिमांड पर हर चीज के लिए खड़ी हुई है। आप जो चाहोगे, मिल जाएगा। यदि आप चाहो कि आपको यह आभास हो कि अमावस्या की रात्रि 12:00 बजे आपको दिन का उजाला नजर आए, तो आप ऑनलाइन सर्च मारिए, ऐसे हजारों लोग मिल जाएंगे जो आपकी यह तमन्ना पूरी करने के लिए तैयार बैठे हुए हैं। अब कोई भी सोच सकता है कि यह चीज संभव है? लेकिन क्योंकि आपकी डिमांड है, वह सामान ऑनलाइन भरा हुआ है। अब तो डिस्क्लेमर लगाना भी शुरू कर दिया है कि जो भी सूचना हम दे रहे हैं, उसकी सत्यता की हमारी कोई गारंटी नहीं है। यानी उनके पास जैसा डेटा हजारों लोगों ने भर दिया, उसी में से टॉप रैंकिंग को सॉर्ट आउट करके वह आपके सामने प्रस्तुत कर देता है, बिना यह सोचे कि उसकी सत्यता क्या होगी।

तो मेरा सभी लोगों से अनुरोध है कि डिजिटल और आभासी दुनिया से दूर रहें और अपने घर परिवार, पास–पड़ोस, अपने दोस्त और रिश्तेदारों से संपर्क बढ़ाएं। उनसे मिलना–जुलना बरकरार रखें और जीवन को आज से 30 साल पहले कैसे जिया जाता था, उस तरह जिएँ। यह मोबाइल, यह सोशल मीडिया आपका भला करने वाला नहीं है।

अभी भी प्रिंट मीडिया में जिम्मेदारी का भाव मौजूद है कि वह लिखने से पहले कई बार सोचते हैं और 60–70 प्रतिशत सूचनाएं और जानकारी आज भी उनमें तथ्यपूर्ण तरीके से दी जाती हैं। बाकी उनको भी अखबार चलाना है, तो कई बार बहुत सारी सूचनाएं ऐसी होती हैं जो समाज के दोहन के रूप में पेश की जाती हैं। मैं माफी चाहता हूं क्योंकि उनकी भी अपनी मजबूरियां हैं। लोग अखबार में भी वही पढ़ना चाहते हैं जो उनको पसंद हो, तो प्रकाशक मजबूरी में इस तरह की सूचनाएं भी थोड़ी–बहुत डालते हैं।

इसलिए अपने लोगों से मिलते–जुलते रहिए, आभासी दुनिया से बाहर निकलिए। नहीं तो आने वाला समय ऐसा होगा जैसे पूरे देश में नशा मुक्ति केंद्र खुले हुए हैं और पिछले 20 से 30 साल से चल रहे हैं, वैसे ही डिजिटल मुक्ति केंद्र भी बहुत तेजी से खुलेंगे। और वह भी ऐसे लोग खोलेंगे जो डिजिटल दुनिया में ही उसका प्रचार–प्रसार करेंगे। यानी आप डिजिटल दुनिया में ही फंसे रहेंगे उनको ढूंढने के लिए, और डिजिटल माध्यम से ही उनसे ऑनलाइन काउंसलिंग लेंगे और डिजिटल माध्यम से ही डिटॉक्स करने का ट्रीटमेंट लेंगे और अंततः आप डिजिटल दुनिया के जाल में ही उलझकर रह जाएंगे। इससे बाहर निकलने का मार्ग भी आपके अपने हाथ में है। केवल आत्मसंयम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर ही आप इस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। यह आपके अपने लिए सोचने का विषय है। मेरी बातें आपको अब नहीं तो शायद कुछ वर्षों बाद याद अवश्य आयेंगी।

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

जोधपुर रेल मंडल में इलेक्ट्रिक इंजन से दौड़ती ट्रेनों ने बदली तस्वीर

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पिछले दो वर्षों में लगभग 2.84 करोड़ लीटर डीजल की बचत की

जोधपुर, (कासं)। उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में ट्रेनों के बढ़ते विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक इंजनों से संचालन का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन को तेजी से अपनाने के चलते मंडल ने पिछले दो वर्षों में लगभग 2.84 करोड़ लीटर डीजल की बचत कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वर्तमान में मंडल की करीब 75 प्रतिशत ट्रेनों का संचालन इलेक्ट्रिक इंजनों से किया जा रहा है, जिससे डीजल पर निर्भरता लगातार कम हो रही है।

> ■ **‘जैसे-जैसे ट्रेनों का संचालन इलेक्ट्रिक इंजनों से बढ़ रहा है, रेलवे की महंगे डीजल पर निर्भरता तेजी से घट रही है विद्युतीकरण के सकारात्मक परिणाम अब ईंधन खपत के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगे हैं’**

उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि जैसे–जैसे ट्रेनों का संचालन इलेक्ट्रिक इंजनों से बढ़ रहा है, रेलवे की महंगे डीजल पर निर्भरता तेजी से घट रही है। उन्होंने कहा कि विद्युतीकरण के सकारात्मक परिणाम अब ईंधन खपत के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगे हैं।

मंडल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024–25 में ट्रेन संचालन के लिए डीजल की खपत लगभग 6 करोड़ 77 लाख 78 हजार 865 लीटर रही थी, जबकि वर्ष 2025–26 में यह घटकर करीब 3 करोड़ 94 लाख 13 हजार 815 लीटर रह गई। इस प्रकार दो वर्षों में मंडल ने लगभग 2 करोड़ 83 लाख 65 हजार 50 लीटर डीजल की बचत दर्ज की। रेल प्रशासन के अनुसार जोधपुर मंडल के अधिकांश रेल खंडों पर विद्युतीकरण कार्य पूरा किया जा चुका है। अब लोको उपलब्धता के अनुसार ट्रेनों का ट्रैक्शन बदला जा रहा है तथा आने वाले समय में मंडल को डीजल आधारित संचालन से लगभग पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

दो बाल श्रमिक मुक्त कराये

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में दो बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवा चाइल्ड हैल्पलाइन के सुपुर्द किया गया। बाद में बालकों को सुधार गृह भिजवाया गया।

प्रतापनगर सदर पुलिस थाने के एसआई देवाराम ने न्यू कोहिनूर सिनेमा प्रतापनगर स्थित जावेद ऑटो डेटिंग–वैल्लिंडग रिपेयर सेंटर पर रेड देकर एक बालक श्रमिक को मुक्त करवाया। यहां बालक से वाहनों के कलपुर्जों की साफ–सफाई का कार्य कराया जा रहा था। दुकानदार जावेद के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह भगत की कोठी थाने के एसआई पदमा ने बासनी सरस्वती नगर में एक फर्म में बालक से श्रम कराने वाले मनोज के खिलाफ जेजे एक्ट में कार्रवाई की गई। पुलिस ने दोनों बालकों को बाद में चाइल्ड हैल्पलाइन के सुपुर्द किया। बाद में उन्हें सुधार गृह भिजवाया गया।

राजस्व गांव खींचन विस्तार के गठन को चुनौती देने वाली याचिका हाई कोर्ट ने खारिज की

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस संजीत पुरोहित की बेंच ने फलोदी जिले में नए राजस्व गांव खींचन विस्तार के गठन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने गांव के गठन की प्रक्रिया तय नियमों के अनुसार पूरी की और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए लिया गया निर्णय कानून सम्मत है।

> ■ **कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने गांव के गठन की प्रक्रिया तय नियमों के अनुसार पूरी की और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए लिया गया निर्णय कानून सम्मत है**

खींचन निवासी सत्यनारायण सिंह राजपुरोहित ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राजस्व विभाग की 13 दिसंबर 2025 की अधिसूचना को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि खींचन विस्तार गांव का गठन निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं है और पहले की प्रक्रिया में इसे रद्द किया जा चुका था, इसलिए दोबारा अधिसूचना जारी करना गलत है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि नए गांव के गठन से पहले अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की थी। रिपोर्ट में सामने आया कि खींचन और खींचन विस्तार के बीच दूरी निर्धारित मानकों के अनुसार है। अलग–अलग रास्तों से दोनों गांवों के केंद्र बिंदुओं की दूरी 1 किलोमीटर से अधिक पाई गई।

हाईकोर्ट ने कहा कि केवल कुछ खसरों के आपस में जुड़े होने के आधार पर गांव गठन को गलत नहीं माना जा सकता। नए गांव बनाने के लिए दूरी, प्रशासनिक सुविधा, विकास की संभावना और स्थानीय जरूरतों जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाता है। याचिकाकर्ता की ओर से राजनीतिक दबाव में अधिसूचना जारी होने का आरोप भी लगाया गया था। इस पर कोर्ट ने कहा कि किसी जनप्रतिनिधि द्वारा मांग या सुझाव दिए जाने मात्र से प्रशासनिक फैसला अवैध नहीं हो जाता। इसके लिए ठोस दुर्भावना या नियमों के उल्लंघन के प्रमाण जरूरी हैं। कोर्ट ने राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों के गठन और सीमाओं में बदलाव का अधिकार राज्य सरकार के पास है। पर्याप्त आधार नहीं मिलने पर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी और खींचन विस्तार गांव के गठन को बरकरार रखा।

राशिफल

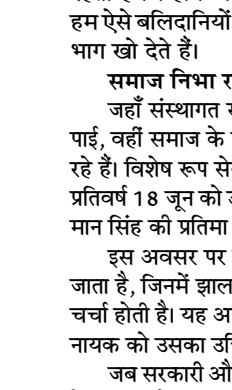

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 13 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 1:17 तक, सुकर्मा योग सायं 5:28 तक, गर करण प्रातः 5:52 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:25 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मेष, मंगल–मेष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–कर्क शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग रात 1:17 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा सायं 4:08 से रात्रि 2:14 तक है। आज मास शिवरात्रि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:19 से 9:02 तक, चर 12:27 से 2:09 तक, लाभ अमृत 2:09 से 5:34 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
परिवार में शुभ–मांगलिक एवं धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुविधाएं बढ़ेंगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित योजना बनेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 310 प्रभात जयपुर, शनिवार 13 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

US Has Refused World Cup Ticket...

Trump has sent mixed messages about Iran's presence at the World Cup, suggesting at times that Iran should sit out the tournament. At other moments, he has expressed ambivalence

World Cup with Shakira, dancing, and protests

प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल को आड़े हाथ लिया

प्रियंका गांधी ने एआईसीसी महासचिवों की मीटिंग में कहा कि कांग्रेस अभी ब्लॉक व उससे ऊपर के स्तरों पर संगठन ही खड़ा नहीं कर पाई है तो प्रभावी आंदोलन कैसे करेगी

- प्रियंका गांधी ने यह टिप्पणी तब की जब वेणुगोपाल कह रहे थे कि कांग्रेस मोदी सरकार को घेरने के लिए ब्लॉक, जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर बड़े आंदोलन की योजना बना रही है।
- प्रियंका ने यह कहकर वेणुगोपाल को संकेत दिया कि उन्हें संगठन निर्माण पर ध्यान देना चाहिए।
- प्रियंका ने यह भी कहा कि एक साथ 6-7 मुद्दे उठाने की बजाय एक-दो मुद्दों पर ही फोकस करना चाहिए, तभी जनता में प्रभावी संदेश जाएगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। प्रियंका गांधी अपनी बात बेबाकी से रखने के लिए जानी जाती हैं। वे बिना लाग-लपेट के सीधे मुद्दे पर बात करती हैं।

हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिवों और राज्य प्रभारियों की बैठक में प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के करीबी सहयोगी और कांग्रेस संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के विचारों को चुनौती दी।

बैठक के दौरान वेणुगोपाल इस बात पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे कि कांग्रेस मोदी सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिए ब्लॉक, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े आंदोलन चलाने की योजना बना रही है।

इसी पर प्रियंका गांधी ने हस्तक्षेप किया और कहा कि कांग्रेस अभी तक ब्लॉक स्तर और उससे ऊपर के स्तरों पर अपने संगठन खड़ा नहीं कर पाई है, ऐसे में वह भाजपा के खिलाफ प्रभावी आंदोलन और संघर्ष कैसे खड़ा कर सकती है।

उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन के बिना पार्टी असहाय है और अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के खिलाफ कोई जन आंदोलन खड़ा नहीं कर सकती।

प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि बेहतर होगा कि पार्टी, एक साथ छह या सात मुद्दे उठाने के बजाय, केवल एक या दो प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करे।

उन्होंने कहा, बहुत सारे मुद्दे एक साथ उठाने से उनका प्रभाव कम हो जाता है और वे जनता के बीच स्पष्ट संदेश नहीं दे पाते।

राजनीतिक हलकों में इसे इस रूप में देखा जा रहा है कि प्रियंका गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से वेणुगोपाल को संगठन निर्माण पर अधिक ध्यान देने की सलाह दी, बजाय इसके कि वे साये की तरह राहुल के पीछे लगे रहें।

यह जगजाहिर रहस्य नहीं है कि प्रियंका गांधी को इस बात पर आपत्ति रही है कि राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल को संगठन संबंधी फैसलों में काफी स्वतंत्रता और व्यापक अधिकार दे रखे हैं। हो सकता है कि प्रियंका गांधी को लगा हो कि संगठन में वेणुगोपाल के प्रभाव और भूमिका को कुछ हद तक सीमित किया जाना चाहिए।

नीट परीक्षार्थियों को 15 मिनट और मिलेंगे

नई दिल्ली, 12 जून। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण सार्वजनिक सूचना जारी की है। एजेंसी ने बताया है कि अभ्यर्थियों से वर्षों से मिल रहे फीडबैक के आधार पर परीक्षा प्रक्रिया में कुछ छात्र-अनुकूल बदलाव किए गए हैं। एनटीए के अनुसार नीट यूजी 2026 परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी और इस बार परीक्षा अवधि 15 मिनट बढ़ा दी गई है।

अब तक नीट यूजी परीक्षा के लिए कुल 180 मिनट का समय दिया जाता था, लेकिन इस वर्ष परीक्षा की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शुरू होकर शाम 5:15 बजे तक चलेगी।

- उम्मीदवारों को रफ वर्क करने के लिये दो के स्थान पर चार पेज मिलेंगे।

एनटीए ने प्रश्न पुस्तिका में रफ वर्क के लिए उपलब्ध स्थान भी बढ़ा दिया है। पहले उम्मीदवारों को केवल दो रफ वर्क पेज दिए जाते थे, लेकिन अब उन्हें चार पेज उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे छात्रों को गणना, डायग्राम और अन्य कार्य करने के लिए अधिक जगह मिलेगी।

एजेंसी ने प्रश्न पुस्तिका के प्रारूप में भी बदलाव किया है। पहले रफ वर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या अखंड कांग्रेस बनाने का प्रयास सफल होगा?

अटकलें हैं कि तृणमूल एवं एनसीपी पुनः कांग्रेस में लौट सकती हैं

- हालांकि, वेणुगोपाल ने "विलय" की चर्चाओं को निराधार करार दिया, पर, महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने पत्रकारों से कहा, गठबंधन नहीं विलय होगा।
- शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शरद पवार से कहा कि कांग्रेस से अलग हुए सभी छोटे दलों को कांग्रेस में लाने के लिए उन्हें पहल करनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस को मजबूत बनाने पर जोर दिया।
- ममता बनर्जी की सोनिया गांधी से और अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी से हुई मीटिंग के बाद टीएमसी के कांग्रेस में विलय की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। क्या ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) फिर से कांग्रेस में लौटेंगी? तृणमूल कांग्रेस में उभरते संकट के बीच राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा है कि कांग्रेस से अलग होकर बने दल, अब वापसी की योजना बना रहे हैं।

जहाँ कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को तृणमूल के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं को "निराधार अफवाह" बताया, वहीं महाराष्ट्र में पार्टी के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ऐसा कदम उठाया जा सकता है।

पटोले ने कहा कि "समान विचारधारा वाले दल" कांग्रेस में विलय की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "शरद पवार और ममता बनर्जी कांग्रेस में विलय के लिए मन बना रहे हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "यह प्रक्रिया अब राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो चुकी है और चाहे तृणमूल कांग्रेस हो या पवार साहब, अब सभी कांग्रेस में विलय की इच्छा जता रहे हैं।"

कुछ दिन पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी। उन्होंने शरद पवार से आग्रह किया था कि कांग्रेस से अलग होकर बने छोटे दलों को फिर से कांग्रेस में मिलाने की "पहल करें।"

राउत ने कहा था, "कांग्रेस को मजबूत होना चाहिए और उससे निकले छोटे दलों के नेताओं को स्थिति को समझना चाहिए।"

इसे एक "अच्छा प्रस्ताव" बताते हुए, एनसीपी-एसपी नेता और शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले ने कहा था कि समय ही बताएगा कि आगे क्या होगा।

उन्होंने कहा, "पहले बारिश तो होने दीजिए, फिर देखेंगे कि छाता लेना है या रेनकोट।" यह उनका एक ऐसा सांकेतिक जवाब था, जिसमें उन्होंने राउत के प्रस्ताव को खारिज नहीं किया गया।

जिस स्थिति का सामना आज तृणमूल कर रही है, वैसा ही संकट शरद पवार की एनसीपी ने झेला था, जब पवार के भतीजे अजित पवार ने 2023 उनके खिलाफ बगावत की थी।

इस सप्ताह टीएमसी-कांग्रेस की एक के बाद एक हुई बैठकों के बाद अटकलों का बाजार गर्म हो गया। मंगलवार को तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी के साथ मीटिंग की और बुधवार को टीएमसी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रूस से तेल खरीदने पर यूरोप हमें लैक्चर न दे'

विदेश मंत्री जयशंकर ने उन यूरोपियन देशों को दो टूक जवाब दिया, जो भारत के रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति कर रहे थे

- फिनलैंड में एक सम्मेलन में जयशंकर ने यूरोपियन देशों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यूरोप में बने हथियार हमारे खिलाफ इस्तेमाल होते हैं, पर, हमारे हथियार कभी यूरोप के खिलाफ इस्तेमाल नहीं हुए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस से तेल और गैस खरीदने के भारत के फैसले का कड़ा बचाव किया और उन पश्चिमी आलोचकों को चुप कर दिया, जिन्होंने इस प्रकार के सम्बंधों की नैतिकता पर सवाल उठाए थे।

जयशंकर ने कहा कि पश्चिम, भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर कोई उपदेश देने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि यूरोप में बने हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए गए, जबकि भारत ने कभी भी ऐसे हथियार सप्लाई नहीं किए, जो पश्चिम के खिलाफ इस्तेमाल हो सकें।

फिनलैंड की यात्रा के दौरान कुल्तरांता टॉक्स में "उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा" विषय पर बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से कच्चा तेल खरीदने का भारत का फैसला उपलब्धता और किफायती दाम पर आधारित था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिका ने 2022 में वैश्विक बाजारों को स्थिर करने में मदद करने के लिए भारत को रूस से खरीद जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था।

यह टिप्पणी उस समय आई, जब एक पत्रकार ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत "रूस के प्रति अत्यधिक सहानुभूतिपूर्ण" है और "रूस से तेल खरीदने के लिए अत्यधिक इच्छुक है।"

पूर्व डिप्लोमैट जयशंकर ने जवाब दिया कि तेल के लिये रुस की तरफ जाने के अलावा भारत के पास कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि यूरोपीय उपभोक्ताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध 2022 के बाद, मध्य पूर्व के भारत के पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं से तेल बड़ी मात्रा में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 12 जून। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्र खारिज करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बैंच ने कहा कि

- अदालत ने कहा कि नामांकन पत्र खारिज होने की चुनौती हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में नहीं की जा सकती।

नामांकन पत्र खारिज करने को चुनौती देने वाली याचिका पर न तो उच्च न्यायालय सुनवाई कर सकता है और न ही उच्चतम न्यायालय। ऐसे में ये याचिका खारिज की जाती है। सुनवाई के दौरान मीनाक्षी नटराजन की ओर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी पर हिंदू-मुस्लिम भावना भड़काने का आरोप लगा

ममता बनर्जी ने 8 मार्च 2026 को दिए एक भाषण में कहा था, अगर वे सत्ता में नहीं आईं तो अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं का सफाया कर देगा

- ममता बनर्जी ने हिंदुओं को डराने वाले अंदाज में कहा था, क्या मेरे ना होने से आप उनका हमला झेल पाएंगे। इस बयान को लेकर एक नागरिक ने ममता बनर्जी पर एफआईआर दर्ज की है।
- ऐसी ही एक शिकायत अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज की गई है, जिसमें उन पर सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है।
- अभिषेक ने डायमंड हार्बर में कहा था कि चुनाव नतीजे आने के बाद यहाँ और ज्यादा श्मशान बनाने पड़ेंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। एक आम नागरिक ने आज हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसका आरोप है कि 8 मार्च 2026 को ममता बनर्जी के एक भाषण से राज्य के दो प्रमुख समुदायों के बीच गंभीर सांप्रदायिक संघर्ष का खतरा पैदा हो गया था।

ममता बनर्जी ने उस अवसर पर स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि वे सत्ता में नहीं रहीं तो एक समुदाय एकजुट होकर बहुसंख्यक हिंदू समुदाय को पल भर में समाप्त कर सकता है। उन्होंने यह भाषण कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र में एक चुनावी सभा में दिया था।

इसके बाद उन्होंने रुककर पूछा था, अगर ऐसा हुआ तो क्या मेरी गैरमौजूदगी में आप उस हमले का सामना कर पाएंगे? उन्होंने हिंदू समुदाय में भय पैदा कर उन्हें अपने पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की थी।

शिकायतकर्ता ने कहा कि चुनावी भाषण के तुरंत बाद वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहता था। लेकिन उसे तृणमूल कांग्रेस के लोगों द्वारा हमले का डर था। उसने कहा कि अब उसे शिकायत दर्ज कराने का साहस मिला है।

ममता बनर्जी ने राजनीतिक स्थिति को लेकर इसी तरह के कई अन्य अत्यधिक भड़काऊ भाषण भी दिए थे। अब जबकि वे सत्ता में नहीं हैं और राज्य में दूसरी सरकार आ गई है, तो बहुसंख्यक समुदाय के खिलाफ किसी प्रकार की हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि ऐसी शिकायत दर्ज होना स्वाभाविक था। इसी प्रकार की एक अन्य शिकायत ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भी दर्ज की गई है। अभिषेक बनर्जी पर भी हिंसा भड़काने के आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञातव्य है कि चुनावी रैलियों के दौरान अभिषेक बनर्जी ने बार-बार चुनाव के बाद होने वाली बदले की कार्यवाही का इशारा किया था। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता आने की चुनौती भी दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रणजीत हवाई योजना बनेगी शिक्षा की नई पहचान

लालसोट। ग्रामीण प्रतिभाओं को बड़े सपने देखने और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने की दिशा में खटवा निवासी धर्मेंद्र कुमार मीणा की अनूठी पहल ''रणजीत हवाई योजना'' को सर्वसमाज का समर्थन मिल रहा है। योजना के तहत लालसोट विधानसभा क्षेत्र और खटवा गांव के बोर्ड परीक्षा टॉपर विद्यार्थियों को पहली बार हवाई यात्रा कराकर दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों एवं प्रतिष्ठित शैक्षिणक संस्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। 14 जून को महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल से विधायक रामविलास मीणा विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह यात्रा केवल हवाई सफर नहीं, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों के सपनों को नई दिशा देने का अभियान है। धर्मेंद्र मीणा ने बताया कि योजना का उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना तथा विद्यार्थियों को बड़े संस्थानों का अनुभव कराना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में भी यह योजना जारी रहेगी।

सर्वसमाज के सहयोग से यह पहल शिक्षा, प्रेरणा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देते हुए लालसोट क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की ओर अग्रसर है।

सरकार की हर योजना में एक भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे : रामहेत यादव

कोटकासिम। उपखंड क्षेत्र की ठाम पंचायत घीकाका में शुक्रवार को लगे ठामीण सेवा शिविर में पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने निरीक्षण किया। उन्होंने ठामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिविर में पट्टे, पेंशन, कृषि उपकरण, पशु टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं मौके पर उपलब्ध कराई गईं।

शिविर के निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं जमीन स्तर तक जाएं और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उनका लाभ मिलना सुनिश्चित हो। उन्होंने स्टॉलों पर जाकर ठामीणों से संवाद किया और योजनाओं के बारे में फीडबैक भी लिया।

शिविर में राजस्व विभाग, ठामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, ऊर्जा विभाग, कृषि विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, जल संसाधन विभाग, परिवहन विभाग, सहकारिता विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं भूजल विभाग, आयुर्वेद, सैनिक कल्याण विभाग और वन विभाग सहित सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर तहसीलदार धर्मेंद्र मीणा, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास यादव, सरपंच कुलदीप चौधरी, मंडल अध्यक्ष यशपाल शर्मा, महंत अशोक कौशिक, युवा नेता मुनेश यादव, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित रहीं।

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने कोटकासिम के घीघाका में शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया।

■ कोटकासिम के गांव घीघाका में लगा शिविर राजस्व, कृषि, चिकित्सा, पशुपालन, ऊर्जा, जलदाय समेत 18 विभागों के कर्मचारी रहे मौजूद।

बजरी से भरा ट्रैक्टर दुकान में घुसा

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार से बजरी से भरी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली एक दुकान में घुस गई। इस दौरान तेज रफ्तार से आई ट्रैक्टर ट्राली ने एक मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया, वहीं दुकान में बैठे हुए लोग इस घटना में बाल बाल बच गए।

वह तो गनीमत रही कि ट्रैक्टर की रफ्तार को देखकर आसपास बैठे हुए लोग तत्काल हट गए, नहीं तो गंभीर हादसा हो सकता था, घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। एक ट्रैक्टर जो बजरी से भरी हुआ था, तेज रफ्तार से अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसा।

अचानक तेज रफ्तार में ट्रैक्टर ट्राली को अपनी तरफ आते देखकर। वहां मौजूद आसपास के लोग तत्काल दुकान से हट गए, लेकिन एक बाइक उसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर चालक को तुरंत पकड लिया । लोगों ने बताया कि यहां आए दिन अवैध बजरी परिवहन का बाजार धडल्ले से चलता है। इसी तरह ट्रैक्टर ट्रॉलिया तेज रफ्तार से गुजरती रहती है, लेकिन पुलिस उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती है, घटना से आसपास के लोगों में रोष व्याप्त है।

सार-समाचार

वाटर कूलर भेंट

राजगढ़। कस्बे के आर्य समाज मंदिर में शांति देवी आर्य पत्नी नंद सिंह आर्य की स्मृति में वाटर कूलर भेंट किया। आर्य समाज मंदिर में वाटर कूलर लगने से श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को लाभ मिल सकेगा। लोकेश आर्य एवं कपिल आर्य ने बताया कि लायंस क्लब के प्रांतीय सलाहकार खेम सिंह आर्य एवं आचार्य पंडित विनोदीलाल दीक्षित की प्रेरणा से आर्य समाज मंदिर में वाटर कूलर भेंट किया। इसके लगने से आसपास के लोगों सहित आने-जाने वालों को लाभ मिल सकेगा। यह जानकारी आर्य समाज के मंत्री खेम सिंह आर्य ने दी।

टसकोला में मोटर केबल चोरी से पेयजल संकट

पावटा। उपखंड पावटा की ग्राम पंचायत टसकोला में अज्ञात चोरों द्वारा पेयजल व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। चोरों ने गांव में जलापूर्ति के लिए लगी थ्री-फेज मोटरों की केबल चोरी कर ली, जिससे पूरे क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो गई है और ठामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत टसकोला सरपंच प्रतिनिधि भैरूलाल हुल्डा ने बताया कि 10 जून 2026 की रात्रि को अज्ञात बदमाशों ने भैरू बाबा मंदिर बावडी के पास स्थापित तीन थ्री-फेज मोटरों की केबल काटकर चोरी कर ली। घटना के बाद गांव में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे भीषण गर्मी के बीच ठामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की सूचना प्रागपुरा पुलिस को दे दी गई है तथा अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। ग्राम पंचायत ने प्रशासन से जल्द नई केबल लगवाकर पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग भी की है। भैरूलाल हुल्डा ने बताया कि चोरों ने केवल पेयजल व्यवस्था को ही नहीं, बल्कि सूरजकुंडा क्षेत्र में वन विभाग द्वारा संचालित सौर ऊर्जा आधारित निमड़ी प्याऊ को भी निशाना बनाया है। वहां से करीब 70 फीट बिजली केबल एवं अन्य सामान चोरी कर लिया गया, जिससे सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है।

लाभार्थियों को बांटे प्रमाण-पत्र

कोटपूतली। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनकल्याण शिविरों के अंतर्गत ग्रामीण सेवा शिविरों का शुक्रवार 12 जून को शुभारम्भ हुआ। उक्त षिविरां का आयोजन विभिन्न ग्राम पंचायतों में किया जायेगा। शुक्रवार को कोटपूतली उपखण्ड की ग्राम पंचायत देवता में ग्रामीण सेवा षिविर का शुभारम्भ किया गया। विधायक हंसराज पटेल ने शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। विधायक हंसराज पटेल ने उपस्थित ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने मौके पर ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र और स्वीकृति पत्र वितरित किये। विधायक पटेल ने ग्रामीणों को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आव्हान किया कि ठामीण जागरूक बनें और इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठायें। ग्रामीणों को संबोधित करते हुये विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार का दृढ़ संकल्प है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

धरना प्रदर्शन आश्वासन पर समाप्त

देवली । यहां एडवोकेट नरेंद्र कुमार मीणा के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला आखिरकार उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप और निष्पक्ष जांच की कार्रवाई के मिले आश्वासन के बाद शांत हो गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा मामले में जीरो नंबर की एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद अधिवक्ताओं ने अपना धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया है। इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन और अभिभाषक संघ के बीच शांति से वार्ता हुई। इस वार्ता में एडवोकेट नरेंद्र मीणा के साथ हुई मारपीट और बदसलूकीके मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी पुलिसकर्मियों को निलंबन करने की मांग पर मिले आश्वासन के बाद अभिभावक संघ और अधिकारी के बीच सहमति बनी। उल्लेखनीय की अभी हाल ही में 3 दिन पहले मंगलवार को एडवोकेट नरेंद्र कुमार मीणा ने हनुमान नगर पुलिस थाने में कार्यरत दो पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाया था की उक्त पुलिसकर्मियों ने उन्हें जबरन वाहन में बैठाया और रास्ते में उनके साथ मारपीट करते हुए पुलिस थाने ले गए थे । इसी के साथ आरोप यह भी लगाया कि उन्हें थाने ले जाकर भी। प्रताड़ित किया गया था। इस मामले जब एडवोकेट नरेंद्र मीणा ने हनुमान नगर थाना प्रभारी को रिपोर्ट तो उक्त दौरान हनुमान नगर थाना पुलिस प्रभारी ने रिपोर्ट लेने से इनकार कर दिया था । यह जानकारी पीड़ित एडवोकेट मीणा ने मीडिया को दी। इसके बाद पीड़ित एडवोकेट ने अपने साथ हुई आप बीती की जानकारी जब देवली अधिवक्ता संघ को दी। इसके बाद देवली अधिवक्ता संघ आक्रोश व्याप्त हुआ और भारी आंदोलन का रुख अपना लिया । मामले की गंभीरता को देखते हुए भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक ने त्वरित कदम उठाते हुए प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हेड कांस्टेबल सुनील और कांस्टेबल दीपेंद्र को लाइन हाजिर कर दिया। लेकिनलेकिन इस कार्यवाही से अधिवक्ता संघ संतुष्ट नहीं हुआ। इसके बावजूद देवली शहर सहित टोंक जिले के समस्त अधिवक्ताओं ने दोषियों की गिरफ्तारी और अन्य संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर देवली थाने का घेराव कर दिया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया था कि जब तक कानूनी रूप से रिपोर्ट दर्ज नहीं की जाती अधिवक्ता संघ पीछे नहीं हटेगा । ऐसे मे शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी वकीलों का धरना जारी रहा।इस दौरान देवली थाना प्रभारी का कहना रहा कि उक्त घटना हनुमान नगर इलाके में हुई तो वहीं की पुलिस को इस पर कार्रवाई करनी होगी। लेकिन अधिवक्ता देवली थाने का मामला करार देते हुए यहां रिपोर्ट दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे।

सार-समाचार

छात्राओं की प्रतिभा की सराहना

लालसोट। पीएम श्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लालसोट में संचालित अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर के अंतर्गत आयोजित ''संवाददाता मीट टुगेदर'' कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारों ने शिविर का अवलोकन किया। इस दौरान रामचरण बोहरा, कमलेश आशिका, कमलेश त्रिवेदी, महेश बोहरा, रवि शर्मा, ओमप्रकाश पारीक (खटवा) एवं नरेंद्र शर्मा (रामगढ़ पचवारा) सहित अन्य संवाददाताओं ने विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। पत्रकारों ने सिलाई, मेहंदी, नृत्य, इंग्लिश स्पोकन, कंप्यूटर एवं पार्लर प्रशिक्षण कक्षाओं का अवलोकन कर छात्राओं द्वारा तैयार किए गए कार्यों और फाइलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिविर विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिविर प्रभारी गोविन्द सहाय शर्मा ने बताया कि हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड्स के तत्वावधान में संचालित इस शिविर में विद्यार्थी पूरे मनोयोग और उत्साह के साथ विभिन्न कौशल सीख रहे हैं। शिविर में गोविन्द सहाय शर्मा, मुकेश पारीक, अनिल शर्मा, अनुराग प्रिय शर्मा, शोभरानी शर्मा, रेखारानी मीना, नविता गौतम एवं अरविंद मीणा अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं मास्टर ट्रेनर के रूप में योग गुरु गोपाल सिंह राजपूत, सलोनी शर्मा (सिलाई), हेमा सैनी (मेहंदी), सृष्टि शर्मा (नृत्य), पूजा मिरोठा (पार्लर) एवं अंकुश मेहरा (कंप्यूटर) विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं

अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस आयोजित

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बालाजी मोटर्स आइशर बिदारा वर्कशॉप में एवं बालाजी मोटर्स अशोका लिलेंड उदावाला मनोहरपुर में अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर शिविर दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता संस्था के निदेशक सुरेश कुमार गुर्जर द्वारा की गई। इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि बाल श्रमिकों से बेगार लेना कानूनी अपराध है। नालसा योजना बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत 4 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम कराना दंडनीय अपराध है। खतरनाक कैमिकल फैक्ट्री,ईंट भट्टा पर 18 वर्ष से कम आयु के बालक बालिकाओं को नियोक्ताओं द्वारा श्रम के कार्यों में नियोजित करना भी प्रतिबंधित है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 सभी 4 वर्ष से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं को अनिवार्य शिक्षा का निशुल्क अध्ययन का अधिकार दिया गया है। बाल- शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत माता-पिता द्वारा बच्चों को अपने परिवार की आजिविका के रोजगार में सम्मिलित करना भी अपराध है। बाल श्रम से पीड़ित बच्चों को के मार्गदर्शन में छात्रावासों में देखरेख की जाती है।

शिविर में आमजन को राहत देने के निर्देश

सांभरझील, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों को प्रदत सेवाओं के शीघ्र निस्तारण एवं जन समस्याओं के समाधान एवं शहरी क्षेत्र को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बनाये जाने हेतु जनहित में शिविर में राहत देने के निर्देश दिए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को समस्त सेवायें उपलब्ध करवाने तथा उनसे संबंधित अन्य प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर नागरिकों को राहत प्रदान करना हैं। यह अभियान 15 जुलाई तक संचालित किया जायेगा। अभियान का समय प्रात: 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक रहेगा। शिविर समय से आधा घण्टे पूर्व सभी अधिकारी शिविर में पहुंचकर सभी व्यवस्थाऐं सुनिश्चित कर शिविर समय पर आरंभ कर देंगे एवं उसका विडियो अपलोड करेगें। शिविर में प्रमुख रूप से शहर को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बनाये जाने हेतु सम्पूर्ण शहर की वृहद स्तर पर साफ-सफाई की व्यवस्था की जावेगी। सीसी/ डामर सड़क मरम्मत व पेच वर्क के कार्य किये जावेगें। शहरी निकायों में स्ट्रीट लाईटों को दुरस्त किया जावेगा एवं जन सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा, अन्धेरी/सुनसान सड़कों पर स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य किया जावेगा। नालियों की मरम्मत, फेरोकवर व मैन हॉल्स की मरम्मत, सीवर लाईन के लिकेज की मरम्मत के कार्य किये जावेगें। आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही की जावेगी। बताया गया है कि शिविर में अनुमोदित योजनाओं के पट्टे/69-ए, 54-ई 50-बी, 60-सी के अंतर्गत पट्टे / उपविभाजन-पुर्नगठन/भू-उपयोग परिवर्तन / नामान्तरण / खांचा भूमि/लीज मुक्ति प्रमाण पत्र/भवन निर्माण स्वीकृति आदि अन्य प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा साथ ही लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी किये जायेगे। विद्यालय, आंगनवाड़ी एवं अन्य सार्वजनिक भवनों की मरम्मत एवं सौन्दर्यकरण का कार्य किये जावेगें अटल पेंशन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं विकलांग पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त कर आम जनता को लाभांवित किया जायेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री निशुल्क बिजली योजना, कुसुम योजना के आवेदन प्राप्त किये जावेगें। पी. एम. स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम (संबंधित 173 निकायों में संचालित) के अन्र्तगत लाभार्थियों की प्रोफाइलिंग कर केन्द्रीय सरकार की फ्लैगशिप सामाजिक सुरक्षा योजनाओं यथा पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम जन-धन योजना, जननी सुरक्षा योजना, श्रम योगी मान-धन योजना, भवन निर्माण वर्कर का पंजीकरण, वन नेशन-वन राशन कार्ड, मातृ-वन्दना योजना का लाभ दिलाया जायेगा। शिविर में किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए आम नागरिकों व स्टाफ के बैठने, बिजली, पानी, छाया, फोटोकॉपी मशीन आदि की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

■ शिविर का आयोजन 15 जुलाई तक होगा

चोरी के आरोप में फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में मालपुरा वृताधिकारी आशीष कुमार प्रजापत के सुपरविजन में डिग्गी थानाधिकारी गोपाल चौधरी द्वारा गठित टीम ने विशेष अभियान वांछित अपराधियों की लगातार धरपकड में कार्यवाही करते हुए आरोपी रामस्वरूप को गिरफ्तार किया जाकर उसके कब्जे से सोने की मुरकी बरामद की गई तथा उसके साथ एक बाल अपचारी को निरूद्ध किया गया है। इस घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल को जब्त किया जाकर बाद अनुसंधान के बाद बाल अपचारी को बाल सुधार गृह टोंक में दाखिल करवाया गया।

डिग्गी थानाधिकारी ने बताया कि घटना 5 जून की है, जिसमें परिवादी सवाईराम गुर्जर उम्र 90 साल निवासी बागर की ढाणी, डिग्गी से आरोपियों ने मध्य रात्रि को सोते हुये के कानों में पहनी हुई सोने की मुरकी तोडकर ले गये थे।

जिसके बाद थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। घटना में प्रयुक्त आरोपी शातिर एवं आपराधिक प्रवृति के है जो दिन में गांवों में मोटर साईकिल से घूमकर रास्तों व घरों की रैकी करते है।

ग्रामीण सेवा शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, विधायक कुलदीप धनखड़ ने सुनी जनसमस्याएं

पावटा। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत शुक्रवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित शिविरों में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। शिविरों में आमजन ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

ग्रामीण सेवा शिविर-2026 का आयोजन 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है। प्रथम चरण के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत कारोली (उपखंड पावटा) तथा ग्राम पंचायत कुहाड़ा (उपखंड विराटनगर) में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में उपखंड अधिकारी साधना शर्मा, पावटा विकास अधिकारी नीलू सैनी, पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, विराटनगर तहसीलदार लालाराम यादव सहित 22 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रशासन को गांव-ढाणी तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का शीघ्र निस्तारण करें तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं। शिविर में पंचायती राज, राजस्व, ऊर्जा, कृषि, जलदाय, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। विधायक धनकड ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली । इस दौरान जिला परिषद सदस्य सुरेश बडबडिया, मंडल अध्यक्ष विकास शेखावत, संबंधित ठाम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने शिविरों में अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए तथा सरकार की इस पहल को जनहित में उपयोगी बताते हुए सराहना की। शिविरों के माध्यम से राजस्व प्रकरणों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, विद्युत, पेयजल, कृषि एवं अन्य विभागीय मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली। इस दौरान जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह शेखावत, श्रवण सिंह संबंधित सरपंच सभी कैम्पों में मौजूद रहे।

■ प्रथम चरण के तहत शुक्रवार को ठाम पंचायत कारोली (उपखंड पावटा) तथा ठाम पंचायत कुहाड़ा (उपखंड विराटनगर) में शिविर आयोजित किए गए।

■ शिविर में पंचायती राज, राजस्व, ऊर्जा, कृषि, जलदाय, सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार की उपलब्धियों पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

टोंक। केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण का शुभारंभ शुक्रवार को सूचना केंद्र, टोंक में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, एडीएम विनोद कुमार मीणा तथा नगर परिषद टोंक की पूर्व सभापति लक्ष्मी देवी जैन ने किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा इसे आमजन के लिए सरकार की योजनाओं व विकास कार्यों से अवगत कराने का प्रभावी माध्यम बताया। इस दौरान पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में गरीब कल्याण, युवा विकास, महिला सशक्तिकरण स्वास्थ्य, शिक्षा,ऊर्जा, सड़क निर्माण में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान केंद्र सरकार के सहयोग से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

टोंक में केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

एडीएम विनोद कुमार मीणा ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां पर आधारित प्रदर्शनी के माध्यम से आम जन तक सरकार के कार्यों को पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने आमजन से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व शर्मा ने बताया कि यह प्रदर्शनी 13 में 14 जून को आमजन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रहेगा। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य नरेश बंसल, विनायक जैन, समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

उपजिला अस्पताल में रेबीज के मामले बढ़े

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर झुंड बनाकर घूम रहे आवारा कुत्तों के कारण आमजन का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है।

हालात यह हैं कि आए दिन लोग कुत्तों के हमले का शिकार हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार प्रशासन इस गंभीर समस्या पर अब तक कोई ठोस कदम उठाता नजर नहीं आ रहा। जानकारी के अनुसार उपजिला अस्पताल पावटा में 26 मई से 10 जून तक 15 दिनों में कुल 239 प्रतिदिन औसतन 10-12 लोग कुत्तों के काटने के बाद उपचार और एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं।

अस्पताल में बढ़ती मरीजों की संख्या नगर में आवारा कुत्तों की समस्या की गंभीरता को दर्शा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों, कामकाजी लोगों और शाम के समय टहलने निकलने वाले नागरिकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर कुत्तों के झुंड राहगीरों का पीछा करते हैं और अचानक हमला कर देते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर 6 बच्चों को कराया बाल मजदूरी से मुक्त

निवाई। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्था सिकोईडिकोन ने जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पुलिस प्रशासन एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त सहयोग से 6 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया। यह कार्रवाई राज्य सरकार द्वारा जून माह को बाल श्रम के विरुद्ध एक्शन मंथ के रूप में मनाने संबंधी जारी निर्देशों के तहत की गई। सिकोईडिकोन से परियोजना समन्वयक देवेंद्र कुमार जांगिड ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार बाल मजदूरी की शिकायत वाले क्षेत्रों में जांच एवं संयुक्त अभियान चलाकर बच्चों को मुक्त कराने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिले में विभिन्न स्थानों पर संयुक्त निरीक्षण एवं बचाव अभियान संचालित किया गया, जिसके दौरान 6 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया। सिकोईडिकोन के निदेशक पीएम पाल ने कहा शोषण और मजदूरी से मुक्त कराए गए प्रत्येक बच्चे के शिक्षा, सुरक्षा और गरिमा के अधिकार की आज पुन: बहाली हुई है। बाल श्रम बच्चों को उनके बचपन और मूल अधिकारों से वंचित कर देता है, इसलिए इस समस्या से तत्काल और प्रभावी ढंग से निपटने की आवश्यकता है।

निवाई में बाल तस्करी के विरुद्ध जनजागरूकता के उद्देश्य से जागरूकता रथ को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार जलथुरिया ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

■ सिकोईडिकोन, जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पुलिस प्रशासन एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त कार्रवाई की

इस दौरान अतिथियों ने बाल श्रम एवं बाल तस्करी के विरुद्ध जनजागरूकता के उद्देश्य से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रथ के माध्यम से जिले के विभिन्न ठामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह एवं बच्चों के अधिकारों से संबंधित जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार जलथुरिया, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान, एएचटीयू प्रभारी देवेंद्र सिंह, कन्हैया एवं देविका, सिकोईडिकोन से परियोजना समन्वयक देवेंद्र कुमार जांगिड, विमल, किरण शर्मा, राजेंद्र व बुधराम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

खोह नागोरियान अग्निकांड प्रकरण: सील पटाखा फैक्ट्री में दोबारा उठा धुआं

फैक्ट्री के बाहर पहले से तैनात फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

जयपुर(निसं)। खोह नागोरियान क्षेत्र में हाल ही में हुए भीषण पटाखा फैक्ट्री विस्फोट के बाद शुक्रवार शाम एक बार फिर उसी सील की गई फैक्ट्री में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार करीम नगर-बी स्थित मकान नंबर 88 में संचालित इस फैक्ट्री में 8 जून को हुए भीषण अग्निकांड में आठ लोगों की मौत हो गई थी। प्रशासन ने हादसे के बाद फैक्ट्री को सील कर दिया था, लेकिन शुक्रवार शाम करीब चार बजे फैक्ट्री से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं।

फैक्ट्री के बाहर पहले से तैनात फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। चूंकि फैक्ट्री सील थी और अंदर कोई मौजूद नहीं था इसलिए, इस बार कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मलबे की कूलिंग और हटाने के दौरान नीचे दबे अवशेषों में सुलगन के कारण धुआं उठा। दमकलकर्मियों ने मौके पर बचे हुए पटाखों और रसायनों पर फोम का छिड़काव कर स्थिति को नियंत्रित किया।

इस घटना के बाद एक बार फिर क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। पुलिस और दमकलकर्मियों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को दूर रखा। इधर अग्निकांड के बाद प्रशासन और पुलिस ने अवैध पटाखा फैक्ट्रियों एवं गोदामों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। जयपुर पुलिस ने खोह नागोरियान, करीम नगर, रहीम नगर, तलाई, आयशा नगर, उजेफा नगर और अक्ष विहार समेत आसपास के क्षेत्रों में करीब 500 मकानों की तलाशी ली। जांच के लिए ड्रोन और डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली गई।

इस अभियान के दौरान करीब 100 गोदाम चिह्नित किए गए। इनमें एक रूई का गोदाम, दो प्लास्टिक गोदाम और एक मोटरसाइकिल गोदाम शामिल है। मोटरसाइकिल गोदाम में करीब 50 बुलेट बाइक मॉडिफाइड साइलेंसर और संदिग्ध नंबर प्लेटों के साथ मिलीं। संदेह के आधार पर इन गोदामों को सील कर दिया गयानवनियुक्त खोह नागोरियान थानाधिकारी प्रकाशराम विश्नोई ने पदभार संभालते ही कार्रवाई करते हुए दाउद नगर स्थित मकान संख्या ए-46 में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री पर छापा मारा। यहां से बड़ी मात्रा में पटाखे, विस्फोटक सामग्री और पटाखा निर्माण उपकरण बरामद किए गए। इस मामले में कयूम खान, याकूब खान सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ नया प्रकरण दर्ज किया गया है।

- अवैध गोदामों पर पुलिस का शिकंजा
- 500 मकानों की तलाशी में 100 गोदाम चिह्नित, अवैध पटाखा निर्माण पर नए मुकदमे दर्ज

एक अन्य फैक्ट्री से भी विस्फोटक सामग्री जब्त की गई, जिसके संबंध में अलग मामला दर्ज किया जाएगा। वहीं सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने अग्निकांड में मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर जयपुर जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मृतकों के आश्रितों को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग की।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अवैध पटाखा फैक्ट्री या भंडारण की आशंका है। वहां डोर-टू-डोर सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के बाद यदि किसी क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्री या गोदाम मिलने की पुष्टि होती है तो संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि अग्निकांड में प्रयुक्त विस्फोटक सामग्री की जांच कराई जा रही है और दो-तीन दिन में रिपोर्ट मिलने की संभावना है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खोह नागोरियान हादसे के बाद उठे कई सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं, जिनमें पुराने और एक्सपायरी पटाखों के निस्तारण की व्यवस्था, लाइसेंसी गोदामों की निगरानी, अवैध फैक्ट्रियों पर नियंत्रण और विस्फोटक विभाग की जांच प्रणाली की प्रभावशीलता प्रमुख हैं।

प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक अभियान जारी रहेगा।

1 लाख के इनामी तस्कर के नेटवर्क से जुड़े सहयोगी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी।

जयपुर(निसं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर और बाड़मेर जिले की सेडवा थाना पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए 91.240 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। इस दौरान तस्करी नेटवर्क से जुड़े जयकिशन विश्नोई को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार बरामद मादक पदार्थ के तार राज्य स्तर के एक लाख रुपए के इनामी और वांछित तस्कर सांवरा उर्फ श्यामसुन्दर के सिंडिकेट से जुड़े हैं। यह कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एजीटीएफ) दिनेश एमएन के निर्देशन में की गई। अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम लाल वर्मा और पुलिस उपाधीक्षक फूलचंद टेलर के सुपरविजन में संयुक्त टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एजीटीएफ) दिनेश एमएन के अनुसार गुरुवार रात सेडवा थानाधिकारी प्रभुराम गश्त पर थे। इसी दौरान एजीटीएफ के कांस्टेबल सुमेर सिंह से सूचना मिली कि राज्य स्तरीय इनामी आरोपी सांवरा की तलाश में आई टीम को जानकारी मिली है कि उसके पड़ोसी जयकिशन के घर भारी मात्रा में डोडा पोस्त छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सोमारडी गांव स्थित जयकिशन के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान स्टोर रूम में इसबगोल और जीरे के कट्टों के बीच छिपाकर रखे गए काले रंग के तीन प्लास्टिक कट्टों से 91.240 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जयकिशन (45) को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में जयकिशन ने बताया कि यह खेप उसके पड़ोसी तेजाराम पुत्र भागीरथराम विश्नोई ने 10 जून की रात उसके घर रखवाई थी। पुलिस के अनुसार तेजाराम और मुख्य आरोपी सांवरा उर्फ श्यामसुन्दर के बीच सीधे संबंध हैं तथा पूरा मामला एक संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। इस मामले की गंभीरता और हाई-प्रोफाइल कनेक्शन को देखते हुए आगे की जांच धनाऊ थानाधिकारी दीपसिंह को सौंपी गई है। पुलिस टीमें मुख्य आरोपी सांवरा और उसके सहयोगी तेजाराम की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

इस कार्रवाई में एजीटीएफ की ओर से एएसआई राकेश कुमार जाखड़ के नेतृत्व में टीम ने भूमिका निभाई, जबकि जिला स्पेशल टीम बाड़मेर के उप निरीक्षक आदेश कुमार भी टीम के साथ शामिल रहे। संयुक्त अभियान में सेडवा थानाधिकारी प्रभुराम, हेड कांस्टेबल रामकिशन, कांस्टेबल दिनेश कुमार, गंगाराम, मोहनलाल, भोजाराम और चालक कांस्टेबल चैनाराम ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सार-समाचार

जेडीए ने अतिक्रमण हटाए

जयपुर(निसं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार सडक सीमाओं में आ रहे अतिक्रमणों ध्वस्त किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रवर्तन दस्ते द्वारा यातायात पुलिस व नगर निगम के साथ सामूहिक अभियान के तहत गोपालपुरा बाइपास से गुर्जर की थडी, त्रिवेणी चौराहा तक 03 किमी एरिया तक रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। गैर अनुमोदित योजना गंगाराम नगर में अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। सांगानेर, चित्रकूट कॉलोनी में रोड सीमा को एवं ग्राम रामचन्द्रपुरा सांगानेर में गैर मुमकिन सरकारी आम रास्ते की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। साथ ही ग्राम जयसिंहपुरा, तहसील सांगानेर, शिव निकुंज कॉलोनी व राम लक्ष्मण वाटिका कॉलोनी में रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

15 जून को शहीद स्मारक पर होगा युवाओं का महाप्रदर्शन

जयपुर(निसं)। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आगामी 15 जून, सोमवार को जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर दोपहर 3 बजे से विशाल एवं शांतिपूर्ण जनप्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन में प्रदेशभर से छात्र, अभिभावक, बेरोजगार युवा, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रदर्शन का उद्देश्य प्रदेश एवं देश की बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक प्रकरणों, बढ़ती बेरोजगारी तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर जनजागरण और जनदबाव बनाना है। शुक्रवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता सम्मेलन को राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका, प्रोटेस्ट इंचार्ज दीपक बालियान, मीडिया इंचार्ज अभिषेक जैन बिट्टू और दलित एक्टिविस्ट रोशन मुड़िया आदि ने संबोधित किया।

साइबर फ्रॉड में बैंक खाते बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर(निसं)। जयपुर ग्रामीण के सामोद थाना पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए बैंक खाते उपलब्ध करवाकर साइबर ठगी में सहयोग करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में आरोपियों के बैंक खातों से जुड़े साइबर फ्रॉड के मामले उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना सहित कई राज्यों में दर्ज पाए गए हैं। सामोद थाना प्रभारी हेमराज सिंह गुर्जर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी साइबर ठगों को अपने बैंक खाते बेचकर अथवा उपलब्ध कराकर धोखाधड़ी की वारदातों में सहयोग करते थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों के बैंक खातों में साइबर ठगी से संबंधित राशि जमा हुई थी। इनमें अलग-अलग खातों में 77,570 रुपए और 25,549 रुपए की संदिग्ध राशि जमा होना पाया गया। पुलिस जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों के बैंक खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में साइबर फ्रॉड से संबंधित शिकायतें दर्ज हैं। साइबर क्राइम पोर्टल पर आरोपियों के विरुद्ध कुल छह शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। पुलिस ने इस मामले में अनिल मीणा (29) पुत्र सुरेश मीणा निवासी मोरीजा, कृष्ण मीणा (21) पुत्र हरिनारायण मीणा निवासी मोरीजा तथा केशव सैनी (23) पुत्र महादेव सैनी निवासी भोजलावा को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी हेमराज सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि साइबर ठगी के गिरोह से इनके संबंध कितने व्यापक हैं और किन-किन लोगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए गए।

शातिर हिस्ट्रीशीटर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर(निसं)। चाकसू थाना पुलिस ने दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात करते हुए डेढ दर्जन से अधिक मुकदमों में वांछित शातिर बदमाश और हिस्ट्रीशीटर रमेश चौधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2012 से अब तक चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के करीब 17 मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू थाना पुलिस ने दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात करते रमेश चौधरी (39) निवासी चाकसू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रमेश चौधरी आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ चाकसू, सांगानेर सदर, शिवदासपुरा, प्रताप नगर, टोंक जिले के निवाई थाना सहित विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट के 17 से अधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चार्जशीट भी पेश की जा चुकी है। पुलिस आरोपी से चोरी किए गए माल की बरामदगी तथा अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। चोरी की वारदात का त्वरित खुलासा करने वाली टीम में थानाधिकारी मनोहर लाल के साथ हेड कांस्टेबल सोराज, कांस्टेबल बाबूलाल, जगदीश, कमलेश और आशाराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कथनी और करनी के फेर में संगठन महामंत्री की नई परिपाटी

जयपुर(निसं)। भाजपा के नवनियुक्त संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने पद संभालते ही अपनी पहली ही स्पीच में कार्यकर्ताओं को नसीहत दी थी कि वे स्वागत-सत्कार और प्रचार से दूर रहेंगे, सोशल मीडिया पर अपने फोटो-वीडियो नहीं डालेंगे और मीडिया से भी दूरी बनाए रखेंगे। उन्होंने याद दिलाया था कि संगठन महामंत्री संघ का वह दूत होता है, जिसका मूल काम पर्दे के पीछे रहकर संघ और संगठन के बीच समन्वय बनाना तथा अनसुने कार्यकर्ताओं की सुनवाई करना है। लेकिन पार्टी कार्यालय के भीतर चर्चाओं का बाजार गर्म है कि अजेय कुमार ने महज एक सप्ताह के भीतर ही अपनी इस नसीहत को धत्ता बता दिया है। उनके दावों के विपरीत, केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकातों से लेकर जयपुर शहर कार्यालय और किसान मोर्चा के कार्यक्रमों में उनके भव्य स्वागत की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर तैर रहे हैं। जगह-जगह आज भी उनके स्वागत के दौर चल रहे हैं। भाजपा की स्थापित परंपराओं को जानने वाले कार्यकर्ता इस बदलाव पर उंगली उठा रहे हैं। पार्टी में अब तक की रीत यही रही है।

राजस्थान में किसानों को मिल रहा गेहूं का सर्वाधिक मूल्य

एमएसपी पर गेहूं खरीद की अवधि 19 जून तक बढ़ाई

जयपुर,(निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने रबी विपणन सीजन 2026-27 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की अवधि बढ़ाकर 19 जून तक कर दी है। ऐसे सभी पंजीकृत किसान, जिनका गेहूं अभी तक नहीं बिक पाया था, अब 19 जून तक अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार संवेदनशील निर्णय ले रही है। इसी क्रम में प्रदेश में गेहूं खरीद लक्ष्य 23.50 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 28.50 लाख मीट्रिक टन किया गया है। अब तक 3 लाख से अधिक किसानों से 25.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इसके साथ ही किसानों को 2 हजार 585 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी के अतिरिक्त 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राज्य सरकार की ओर से दिया जा रहा है। इस तरह किसानों को प्रति क्विंटल 2 हजार 735 रुपये का कुल भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्णय के फलस्वरूप राजस्थान उन अग्रणी राज्यों में शामिल है जहां किसानों को गेहूं का सर्वाधिक मूल्य प्राप्त हो रहा है। अब खरीद अवधि बढ़ाने से किसानों को अपनी उपज उचित मूल्य पर बेचने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को दी बड़ी राहत
- 28.50 लाख मीट्रिक टन गेहूं की होगी खरीद, अब तक 3 लाख किसानों से 25.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा

राज्य सरकार ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप खरीद कार्य संचालित हो तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उपार्जित गेहूं के सुरक्षित भंडारण की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

वीडीओ के निलंबन पर अधिकरण ने लगाई रोक

जयपुर,(निसं)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने टोंक जिले के डांगरथल के ग्राम विकास अधिकारी के निलंबन पर रोक लगाकर प्रमुख पंचायती राज सचिव, टोंक कलेक्टर, टोंक जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व पंचायत समिति निवाई के विकास अधिकारी से जवाब देने के लिए कहा है। अधिकरण की न्यायिक सदस्य पूनम दरगन व सदस्य प्रकाश चंद शर्मा की पीठ ने यह आदेश अपीलार्थी राजवंती बैरवा की अपील पर दिया। अपील में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त पंचायतीराज विभाग के आदेश की पालना में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की वरीयता सूची में से पात्र व्यक्तियों के नाम पृथक करने के मामले में दोषी पाए जाने पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपीलार्थी का निलंबन कर दिया। वहीं उसका मुख्यालय टोंक जिला परिषद में कर दिया। इसे अधिकरण में चुनौती देते हुए कहा कि जिला परिषद की स्थाई स्थापना समिति ही पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 298 के तहत उसे निलंबित कर सकती है, क्योंकि उसकी नियुक्ति जिला परिषद ने की है। ऐसे में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का आदेश अवैध व गैरकानूनी है।

पति की हत्या की आरोपी पत्नी सहित तीन दोषमुक्त

जयपुर, (निसं)। जयपुर जिले के सेशन न्यायालय ने गलता थाना गेट इलाके में जनवरी 2018 में हुए एक व्यक्ति तेजप्रकाश शर्मा की हत्या के मामले में अपराध साबित नहीं होने पर आरोपी पत्नी सीमा व साले श्रीकान्त निर्मोही उर्फ छोटा सहित अन्य आरोपी किराएदार अभिषेक शर्मा को संदेह का लाभ में दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने माना कि जांच एजेंसी की घोर लापरवाही, विरोधाभासी कागजी कार्रवाई और साक्ष्यों के अभाव के चलते आरोपियों के खिलाफ संदेह से परे अपराध साबित नहीं हो सका है।

डीजे माधवी दिनकर ने फैसले में कहा कि मृतक के भाई हरीश शर्मा ने कंकाल देखने के बाद उसके भाई का होने से मना कर दिया और कहा कि वह अपने भाई के कपड़ों को भी नहीं पहचानता। वह आज भी नहीं मानता की उसके भाई की हत्या की है। वहीं मामले की कड़ियां आपस में पूरी तरह से नहीं जुड़ रही हैं। न्यायालय ने जांच अधिकारी और पुलिस टीम की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस की थ्योरी में समय और दूरी का जो गणित पेश किया गया है वह पूरी तरह से काल्पनिक और असंभव प्रतीत होता है। कोर्ट ने माना कि परिस्थितियों पर आधारित मामले में केवल संदेह या आधे-अधूरे विरोधाभासी वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। ऐसे में आरोपियों को संदेहलाभ में दोषमुक्त करना उचित होगा।मामले के अनुसार हरीश कुमार शर्मा ने गलता गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई तेजप्रकाश शर्मा 14 जनवरी 2018 को घर से कटिंग करवाने की बात कहकर निकला था।

श्रीरामपुरा हत्याकांड का खुलासा: पांच आरोपी गिरफ्तार

- पुरानी रंजिश के चलते लोहे के पाइप से हमला कर उतारा था मौत के घाट

जयपुर(निसं)। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा में हुए चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश और गांव में हुई कहासुनी का बदला लेने के लिए आरोपियों ने युवक पर लोहे के पाइपों से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

डीसीपी (दक्षिण) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि मृतक चेतराम गुर्जर गत 1 मई को एक शादी समारोह में शामिल होने सचिवालय नगर (सांगानेर सदर) आया था। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण चेतराम की मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सांगानेर सदर थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों से मिली सूचनाओं तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपियों की पहचान की। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मामले में मुख्य साजिशकर्ता एवं 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश कौशल नागर उर्फ कौशल सुपारी उर्फ धाकड सरकार (26) निवासी नैनवा, बूंदी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा देवांश शर्मा और विशाल मदेरणा को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार विशाल मदेरणा ने आरोपियों को फरारी काटने और हमले में सहयोग किया था। मामले में संलिप्त अन्य दो सह-आरोपियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे पुरानी रंजिश और आपसी विवाद सामने आया है। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि वारदात में प्रयुक्त हथियारों तथा घटना के अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस शनिवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेने का प्रयास करेगी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपी कौशल नागर उर्फ कौशल सुपारी उर्फ धाकड सरकार पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

निगम ने 3 प्रतिष्ठानों को सीज किया

जयपुर(निसं)। नगर निगम जयपुर द्वारा अग्निसुरक्षा संबंधी मानकों एवं आमजन की सुरक्षा के साथ खिलवाड करने वाले प्रतिष्ठानों पर लगातार कारवाई की जा रही है। नगर निगम प्रशासन द्वारा शुक्रवार को टोंक रोड पर स्थित तीन संस्थानों को फायर एनओसी नहीं लेने पर 180 दिनों के लिए सीज कर दिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतमलाल ने बताया कि प्रतिष्ठान को पूर्व में अग्नि सुरक्षा प्रावधानों की पूर्ति कर आवश्यक अग्नि अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) प्राप्त करने का नोटिस दिया गया था। इसके बावजूद प्रतिष्ठानों द्वारा निर्धारित समयावधि में आवश्यक अनुपालना नहीं की गई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रतिष्ठान में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का अभाव है, जिससे वहां आने वाले नागरिकों, कर्मचारियों एवं संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था। जनहित, मानव जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए नगर निगम ने संस्थान को तत्काल प्रभाव से 180 दिनों अथवा सक्षम प्राधिकारी के अगले आदेश तक सीज कर दिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई: मुहाना मंडी में 3640 किलो सरसों तेल सीज

खाद्य सुरक्षा टीम ने मुहाना मंडी स्थित मैसर्स कमल एंड कंपनी का निरीक्षण किया।

जयपुर(निसं)। राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को मुहाना मंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए 3640 किलो सरसों तेल सीज किया। कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश पर की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (जयपुर द्वितीय) डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम ने मुहाना मंडी स्थित मैसर्स कमल एंड कंपनी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मैसर्स गोयल ऑयल उद्योग द्वारा सप्लाई किए गए टैगोर ब्रांड एवं विधि ब्रांड सरसों तेल के रंग और खुशबू में संदिग्धता नजर आने पर मिलावट की आशंका हुई। इसके बाद तेल के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गएउन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट आने तक करीब 3640 किलो सरसों तेल को सीज कर फर्म के प्रोपराइटर को उक्त स्टॉक की बिक्री नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान टैगोर ब्रांड के 90 टीन, 5 लीटर क्षमता के 80 प्लास्टिक जार, 2 लीटर के 240 जार, 1 लीटर के 600 जार तथा आधा लीटर क्षमता के 480 जार सील किए गए। वहीं विधि ब्रांड के 22 टीन, 1 लीटर के 120 प्लास्टिक जार और आधा लीटर क्षमता के 240 जार भी जब्त किए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों ब्रांड का सरसों तेल जयपुर के आकेडा डूंगर, लक्ष्मीनारायणपुरा और वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स गोयल ऑयल उद्योग में तैयार किया गया था। विभागीय अधिकारियों के अनुसार टैगोर ब्रांड सरसों तेल के नमूने पूर्व में भी मिलावटी पाए जा चुके हैं।

कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान और राजेश नागर शामिल रहे। विभाग ने कहा कि प्रदेशभर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

जेजेएम घोटाले में महेश जोशी की याचिक खारिज

जयपुर(निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी को एसीबी की ओर से गिरफ्तार करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास और जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में बताया कि एसीबी ने मामले में गत 7 मई को उसके पिता महेश जोशी को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान उसके परिजनों को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप से नहीं बताए गए। जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को गिरफ्तार करने के कारणों की जानकारी लिखित रूप में उसके परिजनों को दी जाएगी।

याचिका में कहा गया कि एसीबी की ओर से लिखित में परिजनों को यह जानकारी नहीं देने से यह गिरफ्तारी ही अवैध हो गई है। ऐसे में उन्हें रिहा किया जाए। वहीं एसीबी की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि समान आधार पर निचली अदालत ने महेश जोशी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। महेश जोशी को हिरासत में लेते समय उसके परिजन मौके पर मौजूद थे। वहीं बाद में उन्हें गिरफ्तार करने के दौरान उनके परिजनों को सूचित किया गया था। इसके बाद जब उन्हें अदालत में पेश करने के लिए ले जाया गया तो एसीबी मुख्यालय से रवाना होते समय और कोर्ट पहुंचने के बाद फोन के जरिए याचिकाकर्ता को इसकी सूचना दी गई थी। एसीबी की ओर से कहा गया कि मुख्यालय की ओर से जारी हुकमनामा में गिरफ्तारी के आधार थे।

ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में एसीबी ने गत 7 मई को पुलिस रिमांड और उसके बाद की कार्रवाई दूषित हो गई है। ऐसे में उन्हें रिहा किया जाए।जिसका विरोध करते हुए गत 7 मई को महेश जोशी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था। इसके बाद अदालत ने उन्हें कुछ दिन पुलिस अभिरक्षा में रखते हुए बाद में न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया था। इससे पूर्व उन्हें इसी मामले में ईडी की ओर से भी गिरफ्तार किया गया था। तब उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी।

भाजपा नेताओं की जुबान पर हमेशा रहती है महिला-विरोधी सोच : टीकाराम जूली

- जयपुर में संविदा नर्सिंगकर्मी की आत्महत्या सिस्टम द्वारा की गई हत्या, कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए कॉन्ट्रेक्चुअल सर्विस हाइरिंग रूल्स को लागू नहीं कर रही भाजपा

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर द्वारा प्रसूताओं को लेकर की गई स्तरहीन बयानबाजी की कड़े शब्दों में निंदा की है। जूली ने कहा कि चिकित्सा मंत्री का यह कहना कि प्रसूताएं चलती आई हैं नाचते, न केवल संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है बल्कि मातृत्व शक्ति का घोर अपमान भी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री जी को यह समझना चाहिए कि प्रसूताओं को इस वक्त नाचने-गाने के तंज की नहीं, बल्कि अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जरूरत है। आज प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की हालत बदतर हो चुकी है, जहाँ प्रसूताओं को स्ट्रेचर तक नसीब नहीं हो रहे हैं। चिकित्सा मंत्री अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं, जो बेहद शर्मनाक है। उन्हें तुरंत अपने इस बयान पर प्रदेश की जनता और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा महिलाओं के खिलाफ इस तरह की शर्मनाक और अमर्यादित बयानबाजी करना कोई नई बात नहीं है, यह इनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। अभी कुछ ही महीने पहले इन्हीं की पार्टी के विधायक श्री बहादुर सिंह कोली ने बजट पर लिंगभेद संबंधी बेहद घटिया टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा के बजट में छोरा पैदा हुआ है और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय छोरी पैदा हुई थी। बजट जैसे गंभीर विषय को भी इस तरह के लिंगभेद से जोड़ना भाजपा की पिछड़ी सोच का प्रमाण है। इसके अलावा, पिछले साल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तो सारी मर्यादाएं लांघते हुए एक महिला नेता को एक्सपायरी क्वालिटी तक कह दिया था, जिसके बाद पूरे प्रदेश में उनका चौतरफा विरोध हुआ था। भाजपा के बड़े नेताओं से लेकर विधायकों तक की यह भाषा बताती है कि इनके दिल में आधी आबादी के लिए रत्ती भर भी सम्मान नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष ने जयपुर के महिला चिकित्सालय में संविदा पर कार्यरत नर्सिंगकर्मी दीपक खारवाल की आत्महत्या पर गहरा दुःख जताते हुए भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, "यह समाचार अत्यंत दुःखद, पीड़ादायक एवं झकझोर देने वाला है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

जूली ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने संविदाकर्मियों को संबल देने के लिए कॉन्ट्रेक्चुअल सर्विस हाइरिंग रूल्स बनाए थे, लेकिन भाजपा सरकार उन्हें लागू नहीं कर रही है। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को संभालने वाले संविदा नर्सिंगकर्मियों को बेरोजगार करने के बाद सरकार अब उनकी पीड़ा सुनने को भी तैयार नहीं है। अपनी नौकरी बचाने के लिए धरने पर बैठे नर्सिंगकर्मियों में से एक युवा साथी का आत्महत्या कर लेना भाजपा सरकार की संवेदनहीनता और हठधर्मिता का दुःखद परिणाम है।" जूली ने सीधे तौर पर सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, "मुख्यमंत्री, यह केवल एक आत्महत्या नहीं, यह सिस्टम के द्वारा की गई हत्या है।"

ARBiT
it happens here...

Honouring Imagination on World Doll Day

World Doll Day, celebrated on the second Saturday of June, highlights the joy, creativity, and storytelling that dolls inspire across cultures and generations. From handmade cloth dolls to collectible figurines, these cherished companions have long played a role in childhood play and cultural traditions. The day encourages gifting dolls to children, supporting charities, and recognising dolls as symbols of comfort, imagination, and learning. Beyond toys, dolls often reflect history, fashion, and identity, making them meaningful keepsakes. World Doll Day reminds us how simple playthings can spark creativity, empathy, and happiness in people of all ages.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
13 June 2026
A-B

#HOGWASH

The Story of Charles Red Haffer and the "Perpetual" Machine

They realized that the machine actually required an external force to keep moving. This meant that the device was not a true perpetual motion machine

Inventors throughout history have tried to create a machine that can run forever without any outside force. Such a device is called a perpetual motion machine. According to scientific principles, however, this kind of machine cannot truly exist because every machine needs energy to operate.

One famous story is about Charles Red Haffer, who claimed that he had invented a machine that could run continuously without any external power. He said his invention would move forever on its own. This extraordinary claim attracted a lot of public attention, and many people became curious to see the machine in action.

Haffer began selling tickets to people who wanted to see the mysterious device. Crowds gathered to witness what they believed was a revolutionary invention. To many observers, the machine appeared to be running smoothly without any visible source of energy, and this made the claim seem believable.

However, some experts and inspectors became suspicious. They wanted to investigate the machine carefully to find out whether it truly worked without outside force. When they arrived to examine it, they discovered that the machine was kept in a closed room. They were not allowed to inspect every part freely, which raised further doubts.

Eventually, investigators noticed a cogwheel mechanism connected to the device. Upon closer observation, they realized that the machine actually required an external force to keep moving. This meant that the device was not a true perpetual motion machine as Haffer had claimed.

Later, Haffer took the machine to New York, hoping to gain more attention and possibly investors. There, the well-known engineer and inventor Robert Fulton examined the device. Fulton was experienced in mechanical engineering and carefully studied how the machine worked.

During the inspection, Fulton tied a rope to the machine to test whether hidden power might be driving it. As the investigation progressed, Haffer suddenly ran away, which strongly suggested that the invention was not genuine.

This incident demonstrated an important lesson about science and engineering. Creating machines is difficult because they must follow the laws of physics. One of the most fundamental ideas is that energy cannot be created from nothing. Every machine requires some form of energy, such as electricity, fuel, wind, water, or human effort, to operate.

Therefore, a machine that runs forever without any energy input is impossible according to our current understanding of science. The story of Charles Red Haffer reminds us that extraordinary inventions must always be carefully tested and verified before they are believed.

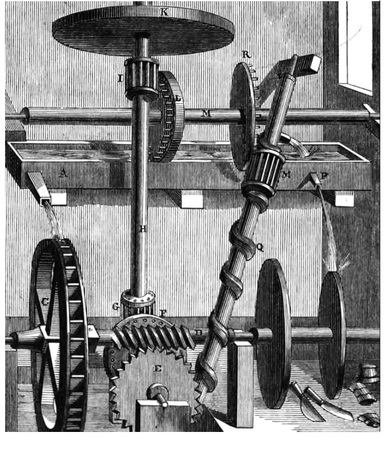

US Has Refused World Cup Ticket Allocation For Iran's Supporters But Mexico Will Oblige

In March, for instance, Politico asked Trump about Iran's presence at the World Cup. Trump reportedly responded, "I really don't care," before calling Iran a "badly defeated country." The US, Mexico and Canada are co-hosting the games, with 78 matches in the US alone, including the final. Iran is set to play its first two Group G matches in Los Angeles against New Zealand on June 15 and Belgium on June 21, before facing off against Egypt in Seattle on June 26.

● **Bulbul Joshi**

Iran's football federation has said that the United States has revoked its allocation of tickets for its team's World Cup group games, accusing the cohost of obstructing the attendance of Iranian supporters under the shadow of a bitter diplomatic row.

The US has presented several bureaucratic hurdles for Iran at the global football spectacle, including refusing to issue visas for some of its support staff, as the two countries have effectively remained at war since their February 28 attack on the country.

The Iranian football body said that FIFA regulations dictate that it should be allocated 8 percent of tickets for each match, which are given to participating federations for distribution to their supporters through official channels.

According to the statement, FFIRI had already begun ticket sales for group stage matches against New Zealand, Belgium and Egypt, all to be held in the US, after receiving its quota, with some fans having already made necessary arrangements.

"However, in an unexpected move, the allocation granted to the Iranian Football Federation has been withdrawn, and under the current circumstances, the federation is unable to provide even a single ticket to supporters of the national team," it said.

FFIRI described the move as "contrary to the spirit governing international competitions and the principle of equality among participating countries."

It also called on FIFA and tournament organisers "to uphold the principles of neutrality, fairness, and established regulations, to provide the necessary conditions for Iranian supporters."

Neither FIFA nor US organisers have publicly commented on the Iranian accusation.

The complaint is the latest dispute related to Iran's participation in the World Cup, following visa issues that Tehran says have prevented some 15 administrative and management staff in its delegation from entering the US.

Rising tensions also prompted Iran to announce that it was moving its World Cup training base to the Mexican border city of Tijuana from Tucson in the US state of Arizona, as originally planned.

Iran open their campaign against New Zealand in Los Angeles on June 15, before facing Belgium in the same city on June 21 and Egypt in Seattle on June 26.

Mexican President Claudia Sheinbaum has announced that her country will host the Iranian national football team during the upcoming FIFA World Cup, due to tensions with the United States.

On Monday, Sheinbaum said that FIFA, the global football governing body, had approached Mexico about hosting Iran, after the US said it did not wish to do so.

"We have no reason to deny them the possibility of staying in Mexico," Sheinbaum said during her daily media conference.

Previously, Iran had been scheduled to play all three of its group matches in the US.

But the administration of US President Donald Trump has previously said it is not "appropriate" for Iranian team members to be in the country, "for their own life and safety."

Since February 28, the US and Israel have been at war with Iran, and peace negotiations are tense but ongoing.

Taj explained that team leaders got approval for the move after meeting with FIFA officials in Istanbul, as well as holding an online conference with FIFA's Secretary General, Mattias Grafstrom.

Switching the team's base to Mexico, Taj said, would help avoid visa complications, with the team able to travel directly to Mexico aboard Iran Air flights.

But the US-Israeli war against Iran has cast a pall over the World Cup, making the Iranian team's participation uncertain.

Roughly 3,468 people have been killed in Iran since February's war began, and more than 26,500 have been injured. Further fatalities have been reported across the region. The war has also thrown the global economy into turmoil, driving up the costs of fuel and agricultural fertiliser, among other goods.

Iran's football team has long been a top squad in its region. It currently ranks near the top of the Asian Football Confederation. Its participation in the 2026 tournament marks its fourth straight World Cup qualification.

Trump, however, has sent mixed messages about Iran's presence at the World Cup. Trump reportedly responded, "I really don't care," before calling Iran a "badly defeated country." The US, Mexico and Canada are co-hosting the games, with 78 matches in the US alone, including the final.

Iran is set to play its first two Group G matches in Los Angeles against New Zealand on June 15 and Belgium on June 21, before facing off against Egypt in Seattle on June 26. The Trump administration's hardline approach to immigration has raised additional concerns about whether the US will be a welcoming host for fans from around the world.

Already, Trump has moved to suspend visa processing for applicants from nearly 75 countries, including Iran, Brazil, Colombia, Ivory Coast and Senegal, which have teams at the World Cup.

Residents from some of those countries, however, are not required to receive visas to enter the US for short-term visits. On Monday, Sheinbaum explained that she had been approached by the Iranian team and FIFA officials for help hosting players and staff.

"The United States doesn't want the Iranian team to spend the night," Sheinbaum said. "So, they asked us, 'Can we stay the night in Mexico?' We said sure, no problem."

Iran is heading to the World Cup while the country is at war with a host nation, a situation that is unique in the tournament's history.

For the Iranian players and staff, the situation has thrown their World Cup preparations into chaos, all of their matches are scheduled to be played in the US.

The Iran team has spent more than two weeks in Turkiye, mostly practising at the coastal resort Antalya, and some travelled to the capital, Ankara, to submit visa applications at the US embassy.

The team's participation in the event in the US, Canada and Mexico has long been in doubt and, with the visa situation still up in the air, nothing can yet be fully guaranteed.

"Well, to be honest, it's not easy," said Saeid Ezatolahi, a 29-year-old midfielder who also played for Iran in the 2018 and 2022 World Cups.

"This is going to be my third World Cup. So, for me and some of the other players, it might be easier to manage these kinds of things," he told The Associated Press news agency in English on the sidelines of a training session on Wednesday.

"But at the end ... it is going to be difficult for us because, at the same time, we are following the news in our country and the political things, of course, can affect the mind of the players and the people."

Iran will play its first two games near Los Angeles, which has a large Iranian community, many of whom oppose the current government.

"So, for sure, we are expecting to have a lot of fans during our games at the stadium," Ezatolahi said. "And this is going to be a lot of pressure for us because the expectation is going to be high. I just wish we can make them proud and show them that Iranians, they are prepared for every hard job in the world," he said.

"It's true that we are facing special circumstances right now, but we are football players, and we have to play, practise, and prepare ourselves for the competitions we have ahead," the Abu Dhabi-based player said in Farsi.

"On the other hand, we know that our people have been going through a lot of difficulties throughout the war, and we are going there for them, to get the best results for their joy and the joy of the people of our country." Despite the nominal ceasefire, Iran and the US have yet to negotiate a permanent end to the war, and attacks continue in the region. The Strait of Hormuz is shut again as of now.

Iran is in Group G with New Zealand, Belgium and Egypt and Iran's team is not required to enter the US until June 14, one day before its first match against New Zealand at the Los Angeles Rams' stadium in Inglewood.

Iran returns to Inglewood to face Belgium on June 21 and completes Group G in Seattle, against Egypt on June 26.

"I'm really proud to be part of my national team," said Ezatolahi, whose career has taken him to play for clubs in Spain, Russia, England, Belgium, Denmark, Qatar and now Dubai in the United Arab Emirates.

"We need to clear up our minds and be fresh because our target and our duty is to fight for our people, to represent our country and to show how good we are," he said.

Ghorbani agreed, saying the team wants to bring joy to Iranians.

"The best message I can give right now is that the Iranian team is showing what it means to be a team," he said. "We are showing that we are one team under one flag that can bring joy to our whole country, and to show the power of Iranian players and Iranian people to the world."

rajeshsharma1049@gmail.com

#FIFA

Iran's players work out during a training session.

Mexican President Claudia Sheinbaum has announced that her country will host the Iranian national football team during the upcoming FIFA World Cup, due to tensions with the United States.

Iran's Ehsan Hajsafi speaks to the media as the team arrives in Tijuana, Mexico for the FIFA World Cup.

A vendor in Tijuana, Mexico, shows a sticker featuring the Iran national football team.

#FIFA

World Cup with Shakira, dancing, and protests

...In Mexico City with a real sense of excitement for the first World Cup on their home turf in 40 years.
But outside the stadium, there were sporadic violent clashes as radical protesters attempted to disrupt the event

The 2026 World Cup has begun in Mexico City with an opening ceremony filled with colour, dancing and a performance by global music star Shakira.

But that is not the only eye popper, the day was selected by protesters to get their message across too, while the world watched.

Thousands of fans arrived at the legendary Azteca stadium in Mexico City with a real sense of excitement for the first World Cup on their home turf in 40 years.

But outside the stadium, there were sporadic violent clashes as radical protesters attempted to disrupt the event and were met by a heavy security response. For the most part, though, football took centre stage and there were wild celebrations as Mexico kicked off their campaign with a 2-0 win over South Africa.

Javier Pérez came with his family for the opener and said that the excitement now outweighs any hassles experienced up to this point. "We were lucky to get hospitality tickets and it's a unique experience. I have never been to a World Cup before, so, to bring my family is wonderful," he said.

"I just want Mexico to get off on the right foot, win today and score a load of goals! And then, we'll see how far we can go!" Despite a heightened security presence around the 82,000-person stadium, the clashes between police and protesters temporarily shut down nearby metro stations. Mexican officials said that nearly 200 hooded individuals broke away from two groups of around 800 protesters and clashed with law enforcement, but the situation "was brought under control" by police.

Meanwhile, teachers and families of those who have gone missing in Mexico's drug war marched in various protests, to highlight their causes while the country is in the global spotlight. Mexico is co-hosting the 2026 tournament alongside the US and Canada, with those teams hosting their own opening ceremonies on Friday.

Ahead of the match, fans in the stadium were treated to performances from Shakira, Colombia's J Balvin, Afrobeats star Burna Boy and Latin music star Danny Ocean.

Mexican singer-songwriter Fher Olvera of the pop punk band Maná took the stage to sing the classic Oye Mi Amor.

"Bienvenida a México. Welcome to Mexico," a performer announced to start the tournament.

"We are a nation of diversity, heritage and pride. Football carries the same heartbeat, uniting generations."

Performers wore indigenous clothing, while others were dressed in all gold and held giant golden footballs above their heads. A packed stadium of fans dressed in their own colourful outfits, many wearing Mexico's team colours.

THE WALL

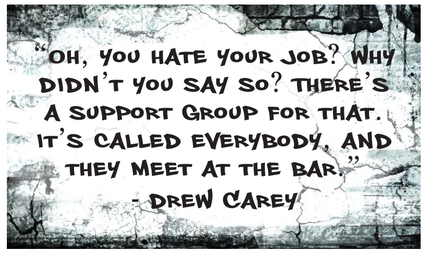

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मोदी सरकार के 12 वर्षों की विकास यात्रा की ब्यावर में प्रदर्शनी लगाई

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने ''12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया

जयपुर/ब्यावर। केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्यावर जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रदर्शनी ''12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' का राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने शुक्रवार को शुभारंभ फीता काटकर किया।

कलैक्ट्रेट में आयोजित हो रही इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों, अभियानों तथा विकास कार्यों को फोटो पैनलों एवं प्रदर्श सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों से अवगत कराना है। महिमा कुमारी मेवाड़ ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चलते आज भारत विश्व में बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है, दुनिया में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी आमजन को योजनाओं एवं सरकारी उपलब्धियों से अवगत कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

कलैक्ट्रेट में आयोजित हो रही प्रदर्शनी का सासंद महिमा कुमारी मेवाड़ ने अवलोकन किया।

- 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं : सांसद महिमा कुमारी

ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि प्रदर्शनी आमजन को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से इसका अधिकाधिक अवलोकन करने की अपील की। मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। यह प्रदर्शनी देश की विकास यात्रा को दर्शाती है। जिला कलैक्टर कमल राम मीना ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। प्रदर्शनी रविवार तक आमजन के लिए नि:शुल्क अवलोकन हेतु खुली रहेगी।

इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त जिला कलैक्टर ब्रह्मलाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीणा, जिला जनसंपर्क अधिकारी महिपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जन प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के उद्घाटन के पश्चात सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर जानकारी दी।

जोधपुर में बदमाशों ने अपहरण कर कबड्डी प्लेयर की हत्या की

- युवक मनोज स्कॉर्पियो से आठ लाख रुपए लेकर पाली जाने के लिए निकला था, वहां से उसे वाहन खरीदना था, दो जने भी साथ थे
- पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र में चार-पांच गाड़ियों में सवार होकर आए 20-25 बदमाशों ने वारदात अंजाम दी

जोधपुर, (कासं)। एक युवक की लाठी-डंडे और सरियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। स्कॉर्पियो से पाली जाते समय युवक को करीब 20-25 बदमाशों ने किडनैप कर मार डाला। घटना गुरुवार रात की है। मृतक कबड्डी का स्टेट लेवल का प्लेयर था और अभी पीटीआई भर्ती की तैयारी कर रहा था।

जानकारी के अनुसार कापरडा क्षेत्र के रावर गांव निवासी मनोज गुरुवार रात करीब आठ बजे आठ लाख रुपए लेकर पाली जाने के लिए निकला था। वहां से उसे वाहन खरीदना था। स्कॉर्पियो से जा रहे मनोज के साथ गांव के दो लोग और भी थे। वे पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र में पहुंचे थे, जहां उसे चार-पांच गाड़ियों में सवार होकर आए 20-25 बदमाशों ने रोक लिया। बदमाशों ने मनोज को स्कॉर्पियो से उतारकर खुद की गाड़ी में बैठा लिया। मनोज के साथ गए दोनों लोग स्कॉर्पियो से उतरकर भाग गए। बदमाशों ने मनोज का किडनैप कर उसके साथ लाठी-डंडों और सरियों से मारपीट की। हमले में मनोज के सिर, दोनों हाथ और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई। मारपीट के बाद आरोपी उसे लांबा गांव के पास छोड़कर फरार हो गए। बाद में लांबा गांव के कुछ लोगों ने परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। उनको मनोज बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। उसे वहां से मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत के बाद मनोज के परिजन और गांव के लोगों ने एमडीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरना दे दिया। उनकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग है। वहीं पाली जिले के शिवपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2025 के लिये सूचना जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2025 के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अब अभ्यर्थियों को अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन या आवेदन वापस लेने (विथड्रॉल) का कोई अवसर नहीं दिया जाएगा।

आयोग द्वारा यह परीक्षा 12 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक आयोजित की जानी है। आयोग के अनुसार कुछ अभ्यर्थियों द्वारा पात्रता संबंधी विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए आवेदन पत्र वापस लेने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन अभ्यावेदन भेजे जा रहे हैं। आयोग ने बताया कि भर्ती विज्ञापन में पहले ही स्पष्ट किया गया था कि जिन अभ्यर्थियों के पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, अनुभव या आयु संबंधी पात्रता नहीं है, वे निर्धारित अवधि में अपना आवेदन वापस ले सकते हैं। इसके अलावा 5 मई 2026 को जारी प्रेस नोट के माध्यम से अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में संशोधन और आवेदन वापस लेने का अवसर भी प्रदान किया गया था। अब परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं तथा संशोधन और आवेदन प्रत्याहार के लिए पर्याप्त समय दिया जा चुका है।

पुष्कर सरोवर में युवक और युवती के शव मिले

- गुर्जर घाट पर तैरते मिले शव, पहचान होने के बाद पुलिस जांच में जुटी

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पवित्र पुष्कर सरोवर के गुर्जर घाट के निकट एक युवक और एक युवती के शव पानी में तैरते हुए दिखाई दिए। घटना की सूचना मिलते ही पुष्कर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों शवों को सरोवर से बाहर निकलवाया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

जानकारी के अनुसार सुबह घाट पर मौजूद तीर्थ पुरोहितों और श्रद्धालुओं ने सरोवर में दो शव तैरते हुए देखे। यह दृश्य देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल इसकी सूचना पुष्कर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घटना के दौरान पुलिस मित्र टीम के सदस्य सांवरा शर्मा ने साहस का परिचय देते हुए स्वयं सरोवर में उतरकर दोनों शवों को बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शवों को बाहर निकालने के बाद पुलिस ने उनकी पहचान के प्रयास शुरू किए।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान मोनिका (26) पुत्री खेमचंद, निवासी पीर रोड, शीशाखान, अजमेर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मोनिका की गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों द्वारा अजमेर के क्लॉक टावर थाने में दर्ज करवाई गई थी। वहीं मृत युवक की पहचान अजमेर के ट्राम्बे क्षेत्र निवासी राज के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुष्कर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में दोनों शव दो से तीन दिन पुराने प्रतीत हो रहे हैं। हालांकि मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा हैं।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाषनगर थाना पुलिस ने 15 हजार रुपए के इनामी अभियुक्त सतुलाल माली को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर शिवम हॉस्पिटल के प्रार्थी डॉक्टर से 90 लाख रुपए की फिरौती और रंगदारी मांगने के मुख्य आरोपी को अपने यहां शरण देने और उसे पुलिस से छुपाने का गंभीर आरोप है। इस मामले में पुलिस अब तक कुल सात आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

जानकारी के अनुसार 17 फरवरी को आरसी व्यास कॉलोनी निवासी प्रार्थी अभिषेक पंवार ने सुभाषनगर थाने में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके मोबाइल पर अलग-अलग नंबरों से व्हाट्सएप संदेश और ऑडियो कॉल प्राप्त हुए। कॉल्स के माध्यम से बदमाशों ने प्रार्थी को बदनाम करने, समाज में प्रतिष्ठा खराब करने और जान से मारने की धमकी देते हुए 90 लाख रुपए की फिरौती मांगी।

ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर श्रीगंगानगर के युवकों से ठगी

- भेजे गए सबमिशन लेटर फर्जी निकले और पैसे मांगने पर आरोपी ने मोबाइल बंद किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां वर्क वीजा के जरिए ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर युवकों से 12 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार चंडीगढ़ की एक वीजा कंसल्टेंसी से जुड़े व्यक्ति ने जनवरी 2025 में कोचिंग सेंटर पहुंचकर युवकों को विदेश भेजने का भरोसा दिलाया और अलग-अलग समय पर लाखों रुपए ले लिए। बाद में भेजे गए सबमिशन लेटर फर्जी निकले और पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने संपर्क तोड़ लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस अड्डे के पीछे एएनएन इंटरनेशनल कोचिंग सेंटर संचालक नीतिश चलाना पुत्र रमेश चंद्र ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि जनवरी 2025 में चंडीगढ़ से सुमित नाम का व्यक्ति उनके पास आया था। उसने खुद को सेक्टर-17 स्थित ईवी वीजा चंडीगढ़ कंपनी का मैनेजर बताया। सुमित ने दावा किया कि उसकी कंपनी वर्क वीजा के आधार पर युवाओं को ऑस्ट्रेलिया भेजती है। सुमित के संपर्क में आने के बाद मोरजंडखारी निवासी विक्रमसिंह, रायसिंहनगर निवासी सतवीरसिंह, प्रिंस ज्याणी और विपुल पारीक ने ऑस्ट्रेलिया जाने की इच्छा जताई। आरोप है कि सुमित ने चारों को विदेश भेजने का भरोसा दिया और अलग-अलग समय पर उनसे कुल 12 लाख रुपए वसूल लिए। रिपोर्ट के अनुसार सुमित ने सतवीर सिंह और विक्रम सिंह को सबमिशन लेटर भेजे थे। बाद में जांच में ये दस्तावेज फर्जी निकले। जब युवकों को धोखाधड़ी का पता चला तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। आरोप है कि रकम लौटाने की मांग के बाद सुमित ने अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया और संपर्क करना बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने उससे संपर्क करने के कई प्रयास किए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अक्टूबर 2025 में नीतिश चलाना और महकमदीप सिंह चंडीगढ़ स्थित कंपनी के ऑफिस पहुंचे। वहां सुमित मौजूद नहीं मिला। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों ने भी पैसे लौटाने की मांग पर अभद्र व्यवहार किया।

कोतवाली पुलिस ने नीतिश चलाना की रिपोर्ट पर चंडीगढ़ निवासी सुमित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई बेअन्त सिंह कर रहे हैं। पुलिस आरोपों की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

शक के चलते पति ने पत्नी की हत्या की थी

- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। सुल्तानपुर थाना इलाके के सरोला गांव में महिला की हत्या के मामले में सुल्तानपुर पुलिस टीम ने हत्यारे आरोपी पति को ग्राम सारोला माईनर से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 11 जून को फरियादीया ने सुल्तानपुर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादिया ने रिपोर्ट में कहा कि 10 जून की देर रात्रि को उसकी बहन द्वारका बाई की कमरे के अंदर से चिल्लाने की आवाज आई, जिस पर अंदर जाकर देखा तो उसका पति रामभरोस ने गंडासे से उसकी बहन पर हमला कर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में सुल्तानपुरा थानाधिकारी दौलत साहु के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में तकनिकी सहायता व पूछताछ के आधार पर महिला की हत्या के आरोपी कुश्यारा निवासी रामभरोस (47) को ग्राम सारोला माईनर से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी ने पूछताछ में बताया कि शराब पीने का आदी है और पत्नी मना करती थी, उसको पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसके चलते उसने हत्या को अंजाम दिया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

नोखा में जमीन विवाद में युवक पर हमला

नोखा, (निसं)। रोड़ा गांव में जमीन विवाद को लेकर मारपीट और जानलेवा हमले का मामला दर्ज हुआ है। यह घटना शुक्रवार को नोखा थाने में लखोटिया बास निवासी महावीर मूंदड़ा की रिपोर्ट पर दर्ज की गई। महावीर मूंदड़ा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 11 जून की दोपहर को उनका भाई ओमप्रकाश कृष्णा रेजिडेंसी नामक कॉलोनी में गया था। ओमप्रकाश ने महावीर को फोन कर बताया कि अमरचंद मनिहार, रामअवतार मनिहार, संजय भट्टड़, सत्यनारायण भट्टड़ और दो-तीन अन्य लोग वहां आए हुए हैं और उन्हें बुला रहे हैं।

परिवादी महावीर मूंदड़ा दोपहर लगभग तीन बजे कॉलोनी पहुंचे, जहां मांगीलाल बिश्नोई निवासी कूदसू भी मौजूद थे। महावीर के पहुंचते ही उनके भाई ओमप्रकाश ने बताया कि उपरोक्त लोग धमकी देकर गए हैं कि वे आधे घंटे बाद वापस आएंगे और उन्हें कॉलोनी में रहने से मना किया है। इसके कुछ देर बाद एक फॉर्च्यूनर गाड़ी से अमरचंद, रामअवतार, संजय, सत्यनारायण और दो-तीन अन्य लोग नीचे उतरे। उतरते ही उन्होंने महावीर मूंदड़ा के साथ मारपीट शुरू कर दी और कहा कि वे उनकी कॉलोनी का सीमा ज्ञान करवाएंगे।

बीज घोटाले के छह आरोपियों की रिमांड अवधि बढ़ाई

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान बीज निगम से जुड़े करीब ढाई करोड़ रुपए की घूसखोरी के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को छह आरोपियों को एक बार फिर कोर्ट में पेश किया। पांच दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद एसीबी ने आगे पूछताछ के लिए दो दिन की अतिरिक्त रिमांड की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अब सभी आरोपियों को दो दिन की पुलिस कस्टडी में एसीबी के हवाले किया गया है।

सूत्रों के अनुसार एसीबी अब इस पूरे मामले में रिश्वत के नेटवर्क, नकली बीज कारोबार और उससे जुड़े आर्थिक लेनदेन की कड़ियों को खंगालने में जुटी है। एसीबी की जांच में अब तक करीब 2.45 करोड़ रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और लेनदेन से जुड़े कागजात भी जांच एजेंसी के हाथ लगे हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है। मामले में राजस्थान बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें स्वतंत्र ज्याणी, किरण भाई कपाड़िया, गणपत, सतपाल सिंह जाज और सुनील कुमार सेतिया भी शामिल हैं। सभी को कोर्ट में पेश कर पहले पांच दिन की पुलिस रिमांड ली गई थी, जो अब समाप्त हो चुकी थी, जिसके बाद कोर्ट ने दो दिन की और रिमांड मंजूर कर दी है।

एसीबी अधिकारियों का कहना है कि अतिरिक्त रिमांड के दौरान पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है। एजेंसी जब्त दस्तावेजों और आरोपियों के बयानों का मिलान कर रही है। मामले में आने वाले दिनों में नए नाम सामने आने या और गिरफ्तारियों की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

कृषि विभाग ने छापेमारी के 14 दिन बाद जोधपुर में मामला दर्ज करवाया

जोधपुर, (कासं)। बीकानेर में 15 करोड़ रुपए के सीज़ मूंगफली के नकली बीज छुड़ाने की एवज में ढाई करोड़ की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार गुजरात के जूनागढ़ निवासी किरण कुमार कपाड़िया ने ही जोधपुर में पांच लाख किलो से अधिक मूंगफली का स्टोरेज कर रखा था। इसका खुलासा जोधपुर कृषि विभाग द्वारा मंडोर थाने में दर्ज करवाई गई रिपोर्ट में हुआ है।

विभाग के निरीक्षक राजेंद्र गढ़वाल की ओर से मंडोर थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि गत 27 मई को जोधपुर के मंडोर क्षेत्र में 9 मील स्थित विनायक कोल्ड स्टोरेज पर की गई छापेमारी में जो मूंगफली बरामद हुई, वह गुजरात की दो फर्म की थी। जिसका मालिक किरण कुमार कपाड़िया था। हालांकि, विभाग ने अवैध भंडारण के लिए कोल्डस्टोरेज की मालिक शीखा भूतड़ा व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मंडोर थानाधिकारी शेषकरण ने बताया कि विभाग की रिपोर्ट पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच सब इंस्पेक्टर अरुणा कुमारी को दी गई है।

चाकूबाजी में युवक घायल

बीकानेर, (निसं)। शहर में एक बार फिर चाकूबाजी की वारदात सामने आई है। ताजा घटना में एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार सुभाषपुरा निवासी आदिल पुत्र रजाक पर देर रात अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमले में आदिल के शरीर पर कई जगह चाकू के घाव आए हैं।

फाइनेंस कंपनी का रिकवरी एजेंट निकला वाहन चोर, 13 गाड़ियां बरामद

अलवर, (निसं)। अलवर पुलिस ने वाहन चोरी के एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर थाना और डीएसटी की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 10 बाइक, एक बोलेरो, एक टेंपो और एक मारुति ईको कार सहित 13 वाहन बरामद किए गए हैं। मास्टर चाबी, इंजन-चेसिस नंबर बदलने की डाई सेट, फर्जी नंबर प्लेट, ग्राइंडर, हथौड़ी और एक लैपटॉप भी जब्त किया गया है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में राजेश पुत्र जय सिंह बैरवा निवासी ओडपुर, हाल निवासी ढाडोली और मनीष कुमार पुत्र नरसीराम जाटव निवासी बेलाका के रूप में हुई है। इनमें से राजेश बैरवा फाइनेंस कंपनी में रिकवरी एजेंट का काम करता था। इसी वजह से उसे ऐसे वाहनों की पूरी जानकारी थी, जिनकी किश्त बकाया थी या जिनकी तलाश की जा रही थी। पुलिस दोनों से चोरी के वाहनों की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क की भी जांच कर रही है। जनता कॉलोनी स्थित मिशन स्कूल के पास से चोरी हुई मारुति ईको कार की तलाश के दौरान मामले का खुलासा हुआ था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। जांच में सामने आया है कि फाइनेंस कंपनी में रिकवरी एजेंट राजेश बैरवा चोरी की बाइकों और अन्य वाहन मालिकों को झांसे में लेकर ठगी करता था। चोरी के वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर फर्जी दस्तावेज तैयार करता था, जिससे वाहनों की पहचान करना मुश्किल हो जाता था। पूछताछ में कई वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ और अलग-अलग स्थानों से चोरी के वाहन बरामद किए गए।

आरोपियों के कब्जे से 10 बाइक सहित 13 वाहन बरामद किए

- वैशाली नगर थाना और डीएसटी ने गिरफ्तार दो आरोपियों से मास्टर चाबी, इंजन-चेसिस नंबर बदलने की डाई सेट, फर्जी नंबर प्लेट आदि जब्त किये

टोंक के लवादर गांव में बुजुर्ग महिला का आधा कटा शव चार कट्टों में मिला

शव के कई हिस्से कुत्ते नोंचकर खा गए थे, बदबू आने पर खुलासा हुआ

टोंक, (निसं)। मेहन्दवास थाना क्षेत्र के लवादर गांव में बुजुर्ग महिला का आधा कटा शव चार कट्टों में मिला, शव कई हिस्सों में कटा हुआ था। शव के कई हिस्से कुत्ते नोंचकर खा गए थे। गुरुवार रात्रि को ग्रामीणों को बदबू आने पर मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद ग्रामीणों ने मेहन्दवास थाना पुलिस को जानकारी दी, जहां पुलिस टीम ने पहुंचकर शव को इकठ्ठा किया तथा साक्ष्य जुटाये।

- महिला हरबाई मूल रूप से यूपी के आगरा की रहने वाली थी, पिछले करीब 20 सालों से अपने भाई उदालाल गुर्जर के पास लवादर गांव में रह रही थी
- महिला तीन-चार दिन से लापता थी, लेकिन किसी ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी, घटना के बाद से भाई घर पर नहीं है

पुलिस की जानकारी के अनुसार वन क्षेत्र में चार कट्टों में लवादर गांव निवासी हरबाई (70) पत्नी केसरा गुर्जर का शव मिला, जिसकी सूचना के बाद 3 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस मौके पर एफएसएल व एमओयू टीम को मौके पर बुलाकर सबूत जुटाए।

टोंक वृताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने जब कट्टों को खोला तो महिला के शव के टुकड़े मिले। शव की स्थिति बेहद भयावह थी, हत्या के बाद पहचान छुपाने के लिए शव के टुकड़े कर अलग-अलग कट्टों में भरे गए थे, मौके से कुछ ज्वैलरी भी मिली है। प्रारंभिक जांच में यह मामला हत्या का लग रहा है, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

मेहनवास थानाधिकारी रामनिवास यादव ने बताया कि हरबाई मूल रूप से यूपी के आगरा की रहने वाली थी, हरबाई पिछले करीब 20 सालों से अपने भाई उदा लाल गुर्जर के पास लवादर गांव में रह रही थी। भाई की पत्नी नहीं है, इसलिए दोनों भाई-बहन साथ रहते थे। महिला तीन-चार दिन से लापता थी, लेकिन किसी ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। घटना के बाद से उसका भाई घर पर नहीं है। पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटा रही है, महिला की बेटी को बुलाया गया है।

तीन थानों की पुलिस, एफएसएल व एमओयू टीम ने मौके से सबूत जुटाए।

गरीब बच्चों के लिए एजुकेशन स्कीम के नाम पर हजारों लोगों से 400 करोड़ की ठगी

राजस्थान-हरियाणा के 20 हजार लोगों से ठगी कर आरोपी फरार हुये

- ठगी के आरोपियों की जयपुर में होने की सूचना पर पुलिस ने दबिश दी, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे
- टोंक में सवाई माधोपुर पुलिया इलाके में ठगों ने ऑफिस खोल रखा था, इन्वेस्टर जब दफ्तर पहुंचे तो यहां ताला लगा मिला

टोंक, (निसं)। गरीब बच्चों के लिए एजुकेशन स्कीम लाकर ठगों ने राजस्थान-हरियाणा के 20 हजार लोगों से 400 करोड़ की ठगी कर ली। अब ऑफिस पर ताला लगा पड़ा है और इंवेस्ट करने वाले न्याय के लिए भटक रहे हैं।

शातिर ठगों ने एजुकेशन स्कीम के जरिए पहले जाल फैलाया। गरीब बच्चों के लिए होम ट्यूशन टीचर के लिए आवेदन मांगे। अप्लाई करने वाले को प्रति बच्चे 1000 रुपए देने का लालच दिया। ब्लॉक वाइज ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ने के लिए टीम लीडर और फील्ड मैनेजर भी बनाए। टारगेट पर कमीशन और गिफ्ट का लालच दिया गया। फायदे की आस में लोग जुड़ते चले गए। एजुकेशन सेक्टर में मदद के नाम पर इन्हीं लोगों से इंवेस्ट कराया गया। 1 लाख के इंवेस्ट पर 20 हजार रुपए हर महीने का झांसा देकर रुपए जुटाए और स्कीम चलाने वाले फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टोंक में सवाई माधोपुर पुलिया इलाके में ठगों ने ऑफिस खोल रखा था। 6 जून को इन्वेस्टर जब दफ्तर पहुंचे तो यहां ताला लगा था। फोन किया तो सभी संचालकों के नंबर बंद मिले, तब ठगी का एहसास हुआ। प्रकरण की जानकारी मिलने पर कोतवाली थानाधिकारी भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि 20 से ज्यादा लोगों ने मामले दर्ज कराये हैं। लगातार लोगों की शिकायतें मिल रही हैं, गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं। टीम ने ठगी करने वाले आरोपियों की जयपुर में होने की सूचना पर दबिश भी दी गई, लेकिन आरोपी हाथ नहीं लगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक आरोपी रहमान खान, झारखंड का रहने वाला है, अन्य दो आरोपी शिवेंद्र सिंह राजपूत और शिवेष शर्मा का भी पता लगाया जा रहा है।

पुलिस की जानकारी के अनुसार ठग शुरुआत में कुछ निवेशकों और ट्यूटरों को समय पर भुगतान कर उनका विश्वास जीता गया, जिससे वे अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों को भी संस्था से जोड़ने लगे। धीरे-धीरे यह नेटवर्क राजस्थान और हरियाणा के हजारों लोगों तक फैल गया और करोड़ों रुपए जमा हो गए। आरोप है कि मोटी रकम जुटाने के बाद संचालकों ने टोंक स्थित कार्यालय बंद कर दिया और फरार हो गए। सोसायटी का नेटवर्क टोंक से निकलकर सवाई माधोपुर, दौसा, बूंदी, भीलवाड़ा, अजमेर, जयपुर और हरियाणा तक फैल गया। पीड़ितों के अनुसार राजस्थान और हरियाणा के करीब 15 से 20 हजार लोगों से लगभग 400 करोड़ रुपए जमा कराए गए, जिनमें जिले के करीब 8 हजार लोग शामिल हैं। अधिकांश लेनदेन नकद में किया गया। बाद में संचालक कार्यालय बंद कर फरार हो गए। इसके बाद बड़ी संख्या में पीड़ित सामने आए, जिनमें कई लोगों के 50 लाख से 80 लाख रुपए तक फंसे हुए हैं। पीड़ितों का कहना है कि उनकी जीवनभर की जमा-पूंजी डूब गई है, जिससे वे आर्थिक संकट और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं।

इधर पीड़ित कलैक्टर टीना डाबी, एसपी रोशन मीना और कोतवाल भंवरलाल वैष्णव से मिलकर रकम वापस दिलाने की मांग कर रहे हैं।

गार्ड की नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ स्थित रामदेव नगर, नांदड़ी के रहने वाले एक युवक को आईआईटी में गार्ड की नौकरी लगवाने के नाम पर 36 हजार रूपए ले लिए, मगर उसे ना तो नौकरी मिली और ना ही आरोपी ने रूपए वापिस लौटाए। पीड़ित ने अब बनाड़ थाने में कोर्ट से इस्तगासे पर केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि रामदेव नगर, नांदड़ी निवासी दिनेश मेघवाल ने इस बारे में रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 8 अक्टूबर 23 को उसकी मुलाकात शैतान सिंह नाम के शख्स से हुई थी। उसने आईआईटी में अपनी जान-पहचान बताकर गार्ड की नौकरी लगवाने की बात की थी। बदले में उससे 36 हजार रूपए लिए गए। मगर काफी समय गुजरने पर नौकरी नहीं लगी। वह हर बार टालमटोल जवाब देता रहा। उससे जब आखिर में रूपए वापिस मांगे तो वह आनाकानी करने लगा। बनाड़ पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है, अग्रिम पड़ताल जारी है।

OFFICE OF BDO, PANCHAYAT SAMITI KARAULI, DISTT. KARAULI

Dispatch No:-PSK/Acc./2026-27/409 Date. 05/06/26

E-Notice Inviting Bid No. 01/2026-27

Bid for annual rate contract for drilling of hand pump/tube well bore & installation and suppy of other material in various gram panchayat area of panchayat samiti karauli district karauli are invited from interested appropriate/capable registered bidder bidders upto 24/06/2006 time 6.00 pm other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is rs. 150.00 lacs

NIB CODE:-ZKR2627A0074.

UBN NO:-ZKR2627WSRC00172

(RAMNIWAS MEENA)
BDO
PS KARAULI

DIPR/C/10162/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांकः-अअ/वि. खण्ड/बी./निविदा/2026-27/378 दिनांक :-09.06.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 16/ वर्ष 2026-27

(NIB Code No PWD2627A1003)

निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं सा.नि.वि., राज मे सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की दिनांक 09.06.2026 से 15.06.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 16.06.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेंगी। प्री-बिड मिटिंग की दिनांक 11.06.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्ते एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्ते व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 02 कुल लागत 197.70 लाख

UBN No. 1. PWD2627WSOB04324
2. PWD2627WSOB04325

(मनोज कुमार रावत)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/10318/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32 (B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/151

दिनांक-यथाहस्ताक्षर

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	16.06.2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढ़ाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस/पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, संशोधित न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नहीं ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिजर्व प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञाधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगे, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/10449/2026

अलवर के खैरथल में 625 किलो अवैध पटाखे जब्त

खैरथल में पुलिस ने मुख्य बाजार में छापामार कर गोदाम से पटाखे जब्त किये।

अलवर, (निसं)। खैरथल में पुलिस ने मुख्य बाजार में छापेमारी कर करीब 625 किलो अवैध पटाखों का जखीरा जब्त किया है। इस कार्रवाई से पटाखा व्यापारियों में हड़कंप मच गया है।

खैरथल-तिजारा जिला बनने के बाद से ही अवैध गतिविधियों पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। खैरथल-तिजारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह के निर्देशन और खैरथल थाना अधिकारी रामकिशन यादव के नेतृत्व में पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहर के बीचों-बीच भारी मात्रा में बिना लाइसेंस और सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर पटाखों का स्टॉक किया गया है। सूचना पुख्ता होते ही पुलिस टीम ने खैरथल के मुख्य बाजार में दबिश दी।

पुलिस की टीम ने गुरुवार शाम को सबसे पहले मुख्य मार्केट के तिरंगा बाजार में स्थित एक पटाखा दुकान पर छापा मारा। यहां पटाखा व्यापारी इंद्र कुमार पुत्र लेखराज की दुकान से अवैध रूप से रखे गए पटाखे बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने अपनी कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए मुख्य बाजार के ही सदर बाजार संचालक नवीन कुमार पुत्र लेखराज के ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस टीम जब नवीन कुमार के आनंद नगर कॉलोनी स्थित दुकान के गोदाम पर पहुंची, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गई। यहां देर रात तक चली कार्रवाई में पुलिस ने छोटे-बड़े कुल मिलाकर करीब 625 किलो पटाखे जब्त किए।

रुण्डल गांव में पागल श्वान ने एक दर्जन लोगों को काटा

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। चंदवाजी के पास निकटवर्ती ग्राम रुण्डल में शुक्रवार सुबह एक पागल श्वान ने आतंक मचाते हुए राहगीरों पर हमला कर दिया और करीब एक दर्जन लोगों को जगह-जगह से काट खाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से एक घायल महिला का चौमूं के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है।

रुण्डल के राहुल शर्मा, शैतान बाडीगर ने बताया कि शुक्रवार सुबह कुम्हार मोहल्ला व मुसलमान मोहल्ले में एक पागल श्वान ने अचानक से राहगीरों पर हमला कर दिया। लोग संभल पाते इससे पहले श्वान ने महिला-पुरुषों व बच्चों को जगह जगह से काट खाया। लोगों ने लाठी डंडों से पागल श्वान को खदेड़ा। तब तक करीबन एक दर्जन लोग घायल हो चुके थे। लोगो ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से एक महिला कौशल्या वर्मा (46) को चौमूं के लिए रेफर कर दिया गया। जिसका चौमूं के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी हैं। घायल कमली प्रजापत (55), विकास कुमावत (10) सीमा अग्रवाल (45), सीमा यादव (30), मोनू प्रजापत (11) सहित एक दर्जन लोगों का प्राथमिक उपचार किया गया।

श्वान के हमले में घायल महिला का अस्पताल में उपचार किया।

16 किलो डोडा-पोस्त जब्त

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। हदां थाना क्षेत्र में ऑपरेशन नीलकण्ठ के तहत एक ढाणी से 16 किलो डोडा-पोस्त जब्त कर एनडीपीएस अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया गया और आरोपी जगमालाराम से पूछताछ व अनुसंधान जारी है। आईजी ओमप्रकाश के निर्देशन में एएसपी बनवारीलाल और सीओ संग्राम सिंह ने यह कार्रवाई की। एसएचओ इमीचंद और उनकी टीम भी शामिल थी। वहीं दूसरी ओर ऑपरेशन उमंग-7 के तहत रानी बाजार के पास एक रिपेयरिंग सेंटर से बाल श्रमिक को मुक्त कर बाल कल्याण समिति को सौंपा गया और दुकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज हुआ।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। बांडा गांव के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। अचानक चलती बाइक के आगे नीलगाय आ जाने से यह हादसा हुआ, जिसमें घायल व्यक्ति ने बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, पदमपुर तहसील के चक 39 एलएनपी निवासी पाल सिंह (55) पुत्र ठाकर सिंह छह जून को सुबह करीब तीन बजे अपनी बाइक पर सवार होकर रवाना हुए थे। सुबह करीब 5:30 बजे बांडा से थोड़ा पीछे नर्सरी के पास अचानक उनकी बाइक के सामने एक नीलगाय आ गई। तेज रफ्तार में होने के कारण बाइक सीधे नीलगाय से जा टकराई, जिससे पालसिंह सड़क पर दूर जा गिरे। राहगीरों और सूचना मिलने पर पहुंची 112 एम्बुलेंस की मदद से घायल को तुरंत राजकीय अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। श्रीगंगानगर में भी स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें तुरंत बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां पिछले चार दिनों से इलाज करा रहे पालसिंह ने आज अंतिम सांस ली।

बीकानेर में देर रात पिकअप चालक ने कई वाहनों को रौंदा

- घटना का वीडियो वायरल, चालक को डिटेन किया

बीकानेर, (निसं)। रामपुरा बस्ती में देर रात उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब एक पिकअप चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन दौड़ाते हुए कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार घटना के पीछे दो परिवारों के बीच चल रहा पुराना विवाद बताया जा रहा है। विवाद के चलते पिकअप चालक ने गुस्से में आकर इलाके में खड़े कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप की टक्कर से कई दोपहिया और अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। वीडियो में भी पिकअप वाहन को तेज गति से इलाके में उत्पात मचाते हुए देखा जा सकता है। एएसपी ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद पिकअप चालक को डिटेन कर लिया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक-637 दिनांक-08.06.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	बजट मद	डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि	UBN NO.
1	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS Hospital (Repair and Renovation Civil work)	"C" (CIVIL)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04309
2	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital Trauma center (Joinery work)	"F-3" (JOINERY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04310
3	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS Hospital (Sanitary work)	"S-1" (SANITARY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04311
4	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS (Painting work)	"P-1" (PAINTING)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04312
5	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital Trauma center (Sanitary work)	"S-2" (SANITARY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04313
6	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital (Civil work)	"C" (CIVIL)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04314
7	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital Trauma center (Painting work)	"P-3" (PAINTING)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04315
8	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS Hospital (Civil work)	"C" (CIVIL)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04316
9	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS Hospital (Repair and Renovation Joinery work)	"F-1" (Joinery)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04317
10	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital Trauma center (Civil work)	"D" (CIVIL)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04318
11	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital (Printing work)	"F-1" (PAINTING)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04319
12	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital (Joinery work)	"F-1" (JOINERY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04320
13	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-I SMS Hospital (Joinery work)	"F-1" (JOINERY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04321
14	Day to Day Urgent Repair and Maintenance work at SMS Hospital Jaipur 2026 Sub Dn-II SMS Hospital (Sanitary work)	"S-1" (SANITARY)	8443/Dep. 11/2026-27	अनुबन्धानुसार	PWD2627WSOB 04322

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरीयड) सहित सा.नि.वि. से उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग डाक एवं दूर संचर रेल्वे या अन्य राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के "एए" अथवा "ए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित परिपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.dironline.org, www.eroc.rajasthan.gov.in, http://www.wd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. नगर खण्ड-2
जयपुर

DIPR/C/10269/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियंता

सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक-520-27 **निविदा सूचना संख्या-04/2026-27** दिनांक-05.06.2026

NIB: PWD2627A0968

पुलिया मरम्मत व कंस्ल्टेंसी कार्य हेतु ईछुक संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट ("http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 189.71 लाख रूपया है।

UBN NO. 1. (PWD2627WSOB04199), 2. (PWD2627WSOB04200), 3. (PWD2627WSOB04201)

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/10228/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, परियोजना खण्ड करौली मुख्यालय टोडाभीम

email eecsnpkaroli@gmail.com

क्रमांक : अ.अ./ जन स्वा./परि.ख.क/मु.टो./2026-27/920 दिनांकः 8/6/26

शुद्धि पत्र

इस खण्ड कार्यालय के पत्रांक 736-44 दिनांक 01.06.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा की अन्तिम दिनांक 08.06.2026 सांय 06:00 बजे तक थी जिसको अपरिहार्य कारणो से अन्तिम दिनांक 12.06.2026 सांय 06:00 बजे एवं खोलने की दिनांक 15.06. 2026 की जाती है।

(रवि कुमार मीना) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग
परियोजना खण्ड करौली
मुख्यालय टोडाभीम

DIPR/C/10262/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त जालोर

क्रमांकः अअ/वृत्त/जा/2026-27/479-495 दिनांकः 05.06.2026

निविदा सूचना संख्याः 02 वर्ष 2026-27

NIB No. PWD2627A0933

श्रीमान् सयुक्त सचिव पथ सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर की ओर से बजट घोषणा संख्या 7.01 एवं 266.0/2026-27 के अन्तर्गत सड़क निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 02 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 229.10 लाख है, अतः उक्त कार्यों के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	15 जून 2026 प्रातः 10.00 बजे से 02 जुलाई 2026, सायं 6:00 बजे तक।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

NIB No. PWD2627A0

क्र. सं.	यूबीएन नं.
1	UBN:PWD2627WSOB04058
2	UBN:PWD2627WSOB04060

(आर. के. सिघारिया)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त, जालोर

DIPR/C/10206/2026

डीग में खेत की जमीन के विवाद में दो पक्षों में फायरिंग, आधा दर्जन लोग घायल

घटना के बाद कामां थाना क्षेत्र के मुरार गांव में तनाव का माहौल, पुलिस तैनात

भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र के मुरार गांव में खेत की जमीन को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग और मारपीट की घटना में आधा दर्जन से अधिक महिला-पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस बल तैनात किया गया है।

- घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल रेफर किया
- सूचना पर कामां थाना पुलिस मौके पर पहुंची, हालात को नियंत्रित किया और घटनास्थल का निरीक्षण किया

अस्पताल में भर्ती घायलों का चिकित्सकों ने उपचार किया।

जानकारी के अनुसार मुरार गांव में दाताराम और सोहनलाल पक्ष के बीच खेत की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। शुक्रवार को दाताराम पक्ष के लोग खेत पर कार्य कर रहे थे और ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर रहे थे। इसी दौरान दूसरा पक्ष मौके पर पहुंच गया। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। घायल चेतराम ने बताया कि विवादित जमीन हमारी है, लेकिन दूसरा पक्ष उस पर जबरन कब्जा कर खेती कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे अपने खेत में ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर रहे थे, तभी दूसरे पक्ष के 8 से 10 लोग वहां पहुंचे और उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। चेतराम के अनुसार गोली चलने की आवाज सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी फायरिंग कर दी। कुछ ही मिनटों में पूरा क्षेत्र गोलियों की आवाज से गूंज उठा और गांव में अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग और मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले कामां के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला आरबीएम अस्पताल, भरतपुर रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही कामां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों ने कोई बयान नहीं दिया है। पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

जेडीसी ने नागरिक सेवा केन्द्र पहुंचकर शहरी सेवा शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जयपुर (निसं)। राज्य सरकार द्वारा 12 जून से 15 जुलाई तक "शहरी सेवा शिविर-2026" आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित शिविर की तैयारियों का शुक्रवार को जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने नागरिक सेवा केन्द्र पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया।

इस दौरान विकास आयुक्त ने नागरिक सेवा केन्द्र में आमजन के लिए विकसित किए गए प्रतीक्षालय, टोकन व्यवस्था, आवेदन पंजीकरण प्रक्रिया, अभिलेख संधारण एवं प्रकरणों की सुनवाई संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से शिविरों में आने वाले आवेदकों को सरल, सुगम एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध राहत मिल सके।

निरीक्षण के दौरान जोन उपायुक्तों द्वारा जेडीसी को शिविर संचालन की तैयारियों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ई-फाइलिंग प्रक्रिया, प्रकरणों के ऑनलाइन अंकेक्षण की व्यवस्था तथा नागरिक सेवा केन्द्र में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया। जेडीसी ने ई-मित्र काउंटर का भी निरीक्षण कर आमजन को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन प्रियाबलराम शर्मा, जोन उपायुक्त प्रशासन व स्टोर सहित वरि. अधिकारीगण उपस्थित रहे। महाजन ने जोनवार आयोजित किए जा रहे शहरी सेवा शिविरों की समीक्षा करते हुए विभिन्न जोनों के अधिकारियों से पट्टा वितरण, लंबित आवेदनों, नामांतरण, लीज, भवन निर्माण स्वीकृति एवं अन्य प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर अवधि में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलम्ब न होने पाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी जानकारी प्राप्त की कि प्रतिदिन कितने आवेदन प्राप्त हो रहे हैं तथा उनमें से कितने पट्टों का वितरण किस गति से किया जा रहा है। जेडीसी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पट्टा प्राप्ति से संबंधित आवेदन प्राप्त होते ही नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर आवेदकों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए। साथ ही सभी जोन उपायुक्तों से तैयार पट्टों एवं लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। शहरी सेवा शिविर-2026 के अंतर्गत 12 जून, 2026 शुक्रवार को जोन 8, 14, 16 एवं 17 के लिए शिविर आयोजित किए गए। वहीं 15 जून 2026 को जोन , 12, 23 एवं 24 के नागरिकों के लिए शिविर आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न ज़ोन में शुक्रवार को आयोजित शिविरों में आवेदनों का निस्तारण : जोन 8 : 18 पट्टे, 15 नाम हस्तांतरण, 5 उपविभाजन/पुनर्गठन, 1 खांचा भूमि, जोन 14 : 80 पट्टे, 3 नाम हस्तांतरण, 2 उपविभाजन/पुनर्गठन, जोन 16 : 02 पट्टे, 02 उपविभाजन/पुनर्गठन, जोन 17 : 07 पट्टे, 04 कब्जा पत्र, 05 नाम हस्तांतरण किए।शिविरों में भू-प्रबंधन, लीज, नामांतरण, पट्टा, आवंटन, भवन निर्माण स्वीकृति, राजस्व वसूली, संस्थागत एवं आवासीय प्रकरणों सहित विभिन्न नागरिक सेवाओं से संबंधित मामलों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जा रहा है।

शुक्रवार को जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने नागरिक सेवा केन्द्र पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया।

■ उन्होंने अधिकारियों से शिविरों में आने वाले आवेदकों को सरल, सुगम एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध राहत मिल सके

युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील

जयपुर, (निसं)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में विकास और जनकल्याण की अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, सरकार और समाज के सभी वर्ग मिलकर कार्य कर रहे हैं। जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अठावले ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना का निर्णय लिया गया है, जिससे सभी वर्गों और परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का बेहतर आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अठावले ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देशभर में 58 करोड़ 30 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं, जबकि राजस्थान में 3 करोड़ 84 लाख से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत देशभर में 58 करोड़ 31 लाख से अधिक लोगों को ऋण उपलब्ध कराया गया है। राजस्थान में वर्ष 2015 से 2026 तक 2 करोड़ 51 लाख 93 हजार लाभार्थियों को 2 लाख 9 हजार 404 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया गया।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत देशभर में 10 करोड़ 43 लाख गैस कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि राजस्थान में 74 लाख 32 हजार परिवारों को इसका लाभ मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत देशभर में 2 करोड़ 79 लाख से अधिक मकानों का निर्माण किया गया है, जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 96 लाख 71 हजार से अधिक मकान बनाए गए हैं। राजस्थान में इस योजना के तहत 2 लाख 74 हजार से अधिक मकानों का निर्माण हो चुका है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से देशभर में 12 करोड़ 17 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिला है, जबकि राजस्थान में 95 लाख से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा चुके हैं।

सार-समाचार

हजरत सैय्यद महबूब उर रहमान का 10 वां उर्स कल से

जयपुर(निसं)। संसार चंद रोड स्थित दरगाह मीर कुर्बान अली में हर साल की तरह इस साल भी हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी रह.के उर्स की तैयारियां जोरों से चल रही है उर्स मुबारक 14 जून से 16 जून तक तीन दिनों का मनाया जाएगा। तीन दिनों में कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उर्स की शुरुआत शाम को सूफी कॉन्फ्रेंस के साथ होगी, रात में सूफी क्लासिकल म्यूजिक नाइट में मशहूर फनकार अपने फन का मुजाहिरा पेश करेंगे इस मौके पर दसवें उर्स के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। दरगाह सज्जादानशीन डॉ सैयद हबीब उर रहमान नियाजी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी हजरत सैयद महबूब उर रहमान नियाजी रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मनाया जाएगा यह उनका दसवां उर्स है जिसकी तैयारियां जोरों से चल रही है।तीन दिनों तक चलने वाले उर्स का 14 जून से आग़ाज़ होगा।शाम को सूफी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा जिसमें अजमेर दरगाह के दीवान हज़रत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती सदारत करेंगे। "मेरा मुल्क मेरी पहचान,मेरी पहचान हिन्दुस्तान" शीर्षक पर चर्चा होगी। इसके अलावा प्रदेश भर की दरगाहों के प्रतिनिधि भी इसमें शिरकत करेंगे,रात में सूफी क्लासिकल म्यूजिक का प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा,प्रोग्राम में प्रसिद्ध फनकार अपने फन का मुज़ाहिरा करेंगे।15 जून को सुबह 7 बजे कुरानखानी होगी,सुबह 11:00 बजे मजार मुबारक का गुस्ल,शाम को 6:00 बजे चादरे पेश की जाएगी रात 9:00 बजे लंगर और देर रात महफिले समा चलेगी। जिसमें देशभर के मशहूर मारूफ कव्वाल अपने कलाम पेश करेंगे।16 जून को सुबह मिलाद शरीफ होगी बाद नमाज जोहर कव्वाली का प्रोग्राम होगा और 5:00 बजे कुल के रस्म के साथ उर्स का समापन होगा।

निष्क्रिय खातों का मनी म्यूल के रूप में इस्तेमाल कर रहे साइबर अपराधी

जयपुर(निसं)। राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने विशेष एडवाइजरी जारी की है। पुलिस महानिदेशक (साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) कार्यालय ने चेतावनी दी है कि वर्षों से बंद, निष्क्रिय (इनएक्टिव) अथवा अनुपयोगी पड़े बैंक खाते साइबर अपराधियों के लिए आसान निशाना बनते जा रहे हैं। ठग ऐसे खातों का उपयोग ठगी से प्राप्त धनराशि को छिपाने, विभिन्न खातों में स्थानांतरित करने तथा पुलिस जांच से बचने के लिए 'मनी म्यूल अकाउंट' के रूप में कर रहे हैं।पुलिस के अनुसार साइबर अपराधी मुख्य रूप से सोशल इंजीनियरिंग, विशिंग (फोन कॉल के जरिए ठगी) और फिशिंग लिंक के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। ठग स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर कॉल करते हैं और खाते को सक्रिय रखने या केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ग्राहक आईडी, जन्मतिथि, ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारियां हासिल कर लेते हैं। इसके बाद वे खाते में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवाकर बैंकिंग सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं।इसी प्रकार बैंक के नाम से फर्जी एसएमएस और ईमेल भेजे जाते हैं, जिनमें खाते के बंद होने या केवाईसी अपडेट करने का संदेश होता है।

रीको ने रचा नया कीर्तिमान: 5 माह में पूरी की भर्ती प्रक्रिया

■ 39 सहायक स्थल अभियंताओं को दिए नियुक्ति पत्र

जयपुर (निसं)। रीको ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सहायक स्थल अभियंता (सिविल) भर्ती का अंतिम परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया। भर्ती में चयनित 39 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी करने के साथ ही रीको के विभिन्न इकाई कार्यालयों में पदस्थापन भी कर दिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा रही है कि राज्य के युवाओं को अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हों तथा विभिन्न विभागों, बोर्ड और निगमों में भर्ती प्रक्रियाएं पूर्ण पारदर्शिता और निर्धारित समय में पूरी कर युवाओं को समय पर नियुक्ति प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री की इसी सोच के अनुरूप रीको ने मात्र पांच माह के रिकॉर्ड समय में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की है।उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन राठौड़ के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न की गई। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री का स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध हो जिससे वे राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। रीको द्वारा सहायक स्थल अभियंता (सिविल) के 39 पदों पर सीधी भर्ती हेतु 28 दिसंबर 2025 को विज्ञापन जारी किया गया था। ऑनलाइन आवेदन 29 दिसंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 तक आमंत्रित किए गए थे। इस भर्ती में वैध गेट स्कोर के आधार पर चयन किया गया, जो रीको की ओर से अपनाया गया एक नवाचार है। इससे योग्य एवं प्रतिभाशाली सिविल अभियंताओं को रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। गेट स्कोर के माध्यम से अभियंताओं की भर्ती देश के प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों जैसे एनपीसीआईएल, इंडियन ऑयल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, गेल, ओएनजीसी तथा पीजीसीआईएल में भी की जाती है। भर्ती प्रक्रिया प्रतिष्ठित एजेंसी आईबीपीएस के माध्यम से ऑनलाइन एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई।

पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 11 जून 2026 को अंतिम परिणाम जारी किया गया तथा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर पदस्थापन भी कर दिया गया है।रीको द्वारा आवेदन आमंत्रण से लेकर दस्तावेज सत्यापन, परिणाम घोषणा, नियुक्ति पत्र वितरण एवं पदस्थापन तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कर भर्ती प्रबंधन में नए मानक स्थापित किए गए हैं।

गौरतलब है कि रीको राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना, विकास एवं रखरखाव का कार्य करता है। वर्तमान में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के माध्यम से लगभग 450 औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा चुका है। सहायक स्थल अभियंता (सिविल) इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण, भवन निर्माण तथा अन्य आधारभूत संरचना विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इसके अतिरिक्त रीको द्वारा विभिन्न अन्य संवर्गों के कुल 121 पदों के लिए भी आवेदन प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है तथा लिखित परीक्षा आयोजित किए जाने की कार्यवाही प्रगति पर है। इन भर्तियों से संस्थान में स्टाफ की कमी दूर होगी, उद्यिमयों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी तथा औद्योगिक क्षेत्रों के विकास एवं रखरखाव कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने देखी 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ फिल्म की खास स्क्रीनिंग रखी गई।

जयपुर। कंगना रनौत स्टारर भारत भाग्य विधाता आज धमाकेदार रिस्पॉन्स के साथ रिलीज़ हो गई है। कंगना अपनी पूरी टीम के साथ देशभर का दौरा कर रही हैं, उन असली हीरोज़ को सम्मान देने के लिए जो मुश्किल वक्त में चुपचाप भारत को संभालकर रखते हैं। भुवनेश्वर, रायपुर, दिल्ली और जोधपुर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के बाद, कंगना और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गड़ा जयपुर पहुँचे, जहाँ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ फिल्म की खास स्क्रीनिंग रखी गई।

इस मौके पर कंगना, डॉ. गड़ा और मुख्यमंत्री ने राज्य के कुछ असली हीरोज़ को उनके देश और समाज के प्रति समर्पण के लिए 'बैज ऑफ ऑनर' देकर सम्मानित किया। इस खास शाम में लोकसभा सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहीं।

जयपुर डेयरी संयंत्र का 133 करोड़ की लागत से आधुनिकीकरण किया

जयपुर। राजधानी जयपुर में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) के संयंत्र का 133 करोड़ की भारी-भरकम लागत से पूरी तरह आधुनिकीकरण और नवीनीकरण (मॉर्डनाइजेशन) कर दिया गया है।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस नए प्लांट का उद्घाटन जल्द ही होने जा रहा है, जिससे जयपुर सहित आसपास के जिलों में दूध और घी की आपूर्ति व्यवस्था बेहद मजबूत हो जाएगी। इस नए मेगा प्लांट के भव्य उद्घाटन समारोह की तैयारियों को परखने के लिए राज्य के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने संयंत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। मंत्री कुमावत ने प्लांट के चप्पे-चप्पे का जायजा लिया और अधिकारियों से प्रोसेसिंग यूनिट्स की कार्यप्रणाली को समझा। निरीक्षण के बाद उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डेयरी मंत्री ने बताया कि प्रोसेसिंग प्लांट का कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इसका उदघाटन करेंगे। इस निरीक्षण के दौरान राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) की प्रबंध संचालक (एमडी) श्रीमती श्रुति भारद्वाज और जयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक (एमडी) मनीष फौजदार भी मौजूद रहे। इन अधिकारियों ने मंत्री को आधुनिकीकरण के बाद आई नई तकनीकों और बढ़ी हुई क्षमताओं की तकनीकी जानकारी दी।

नए मेगा प्लांट के भव्य उद्घाटन समारोह की तैयारियों को परखने के लिए कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने संयंत्र का निरीक्षण किया।

क्षमता में हुआ ऐतिहासिक विस्तार: डेयरी मंत्री कुमावत ने बताया कि इस नवीनीकरण के बाद जयपुर डेयरी प्लांट की ताकत और उत्पादन क्षमता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। दूध को संसाधित (प्रोसेस) करने की क्षमता अब 12 लाख लीटर से बढ़कर 20 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई है।

उप मुख्यमंत्री ने पर्यटन, कला व संस्कृति विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

■ राज्य सरकार का उद्देश्य राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर शीर्ष स्थान दिलाना है : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर, (निसं)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सचिवालय में पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़, उप शासन सचिव (कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व) अनुपम कायल एवं अतिरिक्त निदेशक (पर्यटन) आनंद त्रिपाठी की उपस्थिति में पर्यटन, कला एवं संस्कृति व पुरातत्व विभाग की 15 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने राइजिंग राजस्थान के एमओयू की अधिक से अधिक ग्राउंड ब्रेकिंग किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर शीर्ष स्थान दिलाना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास कार्यों एवं योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

उप मुख्यमंत्री को बैठक में पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान पर्यटन के प्रमोशन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, हेरिटेज संरक्षण एवं आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं की अब तक की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने पुष्कर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट, मीडिया कैंपेन, आमेर लाइट एंड साउंड शो, टूरिज्म ऐप, महाराणा प्रताप सर्किट, के माध्यम से प्रमोशन, टूरिज्म सेंटर (वॉल्ड सिटी), क्रिएटिव कैंपेन, वार म्यूजियम (झुंझुनूं), जयपुर 300 वर्ष पहल, प्रॉपर्टीज, आमेर मास्टरप्लान (फेज-) - बेसिक अमेनिटीज तथा आमेर मास्टर प्लान - फेज की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। वहीं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की उप शासन सचिव अनुपम कायल ने अल्बर्ट हॉल विकास कार्य तथा शिल्पग्राम रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट से सम्बंधित अब तक की प्रगति से अवगत कराया।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरी पुत्री का नाम अनिता कंवर से बदलकर आयुषी राठौड पुत्री शंकर सिंह रख लिया है। भविष्य में आयुषी राठौड के नाम से ही जाना पहाना जाये। निवासी गोकुलपुरा, कालवाड रोड, जयपुर राजस्थान

मैं Vidya Devi पत्नी Late. Jai Narayan, Army No. 3171832-H JAT Regiment निवासी गांव खुडाना तहसील चिडावा जिला झुंझुनू (राज.) है मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम Bidhya Devi दर्ज है जो सही नहीं है जबकि मेरा सही नाम Vidya Devi जन्म दिनांक 05 जून 1959 पढा जाये।

मैंने मेरी पुत्री का नाम अनिता कंवर से बदलकर आयुषी राठौड पुत्री शंकर सिंह रख लिया है। भविष्य में आयुषी राठौड के नाम से ही जाना पहचाना जाये। निवासी गोकुलपुरा, कालवाड रोड, जयपुर राजस्थान

I Brijesh Kumar S/o Rajkumar Tyagi, R/o B-506, 5th floor, green acres, lavender ashadee, ashadee, Neemrana, Alwar, Rajasthan-301705 have changed my name Brijesh Tyagi for all future uroses.

खोया पाया

लूनियावास गृ.नि.स.स. लि. की आवासीय योजना देवराज नगर द्वितीय मदरामपुरा तहसील सांगानेर, जयपुर के प्लॉट नं. 71 की पॉवर ऑफ अटार्नी कहीं गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। लता धर्मपाल केशनानी (लता केशनानी)- मो.नंबर- 9636003723

मेरे मकान 2/637 मालवीय नगर जयपुर का मूल डिक्लेरेशन व अदेय प्रमाण पत्र मालवीय नगर में कहीं गिर गए है मिलने पर सूचित करें-सतीश कुमार अरोडा 92697-86751

मेरे भूखण्ड संख्या प्लाट नं. ए-58 अयोध्या नगर, कान्हा विहार गांधी पथ (नियर लालरपुरा) का शिवा कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड द्वारा जारी लीज के लिए अलॉटमेंट लेटर, पेमेंट स्लिप, साइट प्लान मूल आवंटन पत्र एवं मूल कब्जा पत्र मेरा एस.बी.आई. बैंक (निर्माण नगर, जयपुर) का एक चैक (चेक नंबर 858 327) और 500/- का एक खाली स्टाम्प पेपर जयपुर में हीं खो गये है मिलने पर सूचित करें रामेश्वर सुधार-9001904723

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य रघुवीर सिंह तंवर पुत्र श्री रिछपाल सिंह तंवर उम्र 73 वर्ष, निवासी-14 कान्ति नगर, हाथी बाबू मार्ग, कैलाश गीत होटल के सामने पोलोविक्ट्री जयपुर (राज.) का निवासी है। मेरे अभिभाष्य की समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति में मेरे अभिभाष्य के पुत्र प्रताप सिंह तंवर व पुत्रवधु बीना तंवर तथा पुत्र भानुप्रताप सिंह तंवर, पुत्रवधु जसमीन कौर तथा पौत्र रणवीर सिंह तंवर व राजवीर सिंह तंवर का ही हक व अधिकार रहेगा। मेरे अभिभाष्य की पुत्री पूजा तंवर का मेरे अभिभाष्य की समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति में किसी प्रकार का कोई हक-हकूक व अधिकार तथा हिस्सा नहीं होगा। अगर कोई भी व्यक्ति, संस्था, सर्वेन्ट, ऐजेन्ट किसी भी प्रकार का कोई समव्यवहार मेरे अभिभाष्य की पुत्री पूजा तंवर से करते हैं तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। अत सूचित रहे।
जयपुर (सुनील शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-12.06.2026 मो. 9351159767

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट "अराबेला" का विस्तार, जो कि गांव- बस्सी सीतारामपुरा, झोटवाड़ा रोड़, के पास अम्बाबाड़ी ब्रिज, तहसील एवं जिला जयपुर, राजस्थान में स्थित है, त्रिमूर्ति लैंडकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित है इस पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA) के प्रपोजल नंबर SIA/RJ/INFRA2/472445/2024, दिनांक 12.03.2026 को प्रदान कर दी गई है जो कि वेबसाइट https://parivesh.nic.in पर भी उपलब्ध है।
वास्ते त्रिमूर्ति लैंडकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

लोक सूचना कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-बी जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/100683 दिनांक : 03.06.2026
श्री M/S NANAK BUILDFARM PVT. LTD. THROUGH DIR. BALDEV RAJ NAGPAL पुत्र श्री NANAK CHAND NAGPAL जाति NAGPAL निवासी 178 FRONTIER COLONY ADARSH NAGAR JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अधिकृत अधिकारी के निर्वाचन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्ट.)	आवेदित क्षेत्रफल (हैक्ट.)
1	आमेर	1. मैसर्स नानक बिल्डफार्म प्रा.लि. जरिये निदेशक सुरेन्द्र कुमार नागपाल पुत्र नानकचन्द नागपाल हिस्सा पूर्ण सा. म.न. 51, बनीज कॉलोनी जयपुर खातेदार	5183	0.12	0.12
2	आमेर		5184	0.03	0.03
3	(जयपुर)		5199	0.48	0.48
				कुल	0.63

[illegible] प्राधिकृत अधिकारी जोन-बी, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 631/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री हीरालाल शर्मा निवासी जैतपुर खिंची रोड, कारीगरों का मौहल्ला ग्राम अचरोल तहसील आमेर जिला जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत ब्रह्म पीठम ट्रस्ट (बी.पी.टी.) जैतपुर खिंची रोड, कारीगरों का मौहल्ला, ग्राम अचरोल तहसील आमेर जिला जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 28.07.2026
मोहर अदालत सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि औद्योगिक क्षेत्र मानसरोवर के भूखण्ड संख्या जी 1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर के उपविभाजन/हस्तान्तरण की स्वीकृति मैसर्स ओम प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज प्रोप. श्री प्रकाश चन्द मघरानी के पक्ष में दिनांक 18.03.1999 को जारी की गई तथा लीजडीड का निष्पादन दिनांक 24.03.1999 को करवाया गया। श्री प्रकाश चन्द मघरानी प्रोप. मैसर्स ओम प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 28.06.2008 अनुसार भूखण्ड संख्या जी1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 215.25 वर्गमीटर का विक्रय श्री हनुमान डागा निदेशक मैसर्स जय श्री नेरू फैबरिक्स प्रा.लि. को किया गया। तत्पशात शुद्धि पत्र दिनांक 09.02.2026 को किया गया, जिसमें भूखण्ड का विक्रय क्षेत्रफल 215.25 के स्थान पर 221.50 वर्गमीटर का विक्रय किया गया। तत्पश्चात श्री प्रकाश चन्द मघरानी प्रोप. मैसर्स ओम प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज द्वारा भूखण्ड संख्या जी1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर में से क्षेत्रफल 280 वर्गमीटर का विक्रय पंजीकृत विक्रय दिनांक 13.03.2011 अनुसार श्रीमती प्रीति अग्रवाल को कर दिया गया। श्रीमती प्रीति अग्रवाल द्वारा भूखण्ड जी1-155(ए) क्षेत्रफल 280 वर्गमीटर का पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 15.04.2026 अनुसार मैसर्स जय श्री नेरू फेबरिक्स प्रा.लि. को विक्रय कर दिया गया। पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 28.06.2008, शुद्धि विक्रय पत्र दिनांक 08.02.2026, पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 13.03.2011 एवं 15.04.2026 अनुसार क्रेता मैसर्स जय श्री नेरू फेब्रिक्स प्रा.लि. द्वारा इस कार्यालय में भूखण्ड संख्या जी1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर के हस्तान्तरण हेतु दिनांक 08.06.2026 को आवेदन किया है जिसकी कार्यवाही इस कार्यालय विचाराधीन है।
औद्योगिक क्षेत्र मानसरोवर के भूखण्ड संख्या जी1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर की निष्पादित लीजडीड दिनांक 24.03.1999 कहीं गुम हो गई है जिसके संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट 3157857/2026 दिनांक 26.05.2026 को राजस्थान पुलिस में श्री आशिष अग्रवाल कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा करवाई है जिसकी प्रति प्रस्तुत की है। भूखण्ड की मूल लीजडीड दिनांक 24.03.1999 खोने के संबंध में तथा तलाश करने व नहीं मिलने बाबत कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा एक उत्तरदायित्व शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है।
अतः इस आम सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी सरकारी/गैरसरकारी/वित्तीय संस्थान/व्यक्ति विशेष द्वारा दिनांक 24.03.1999 निष्पादित मूल लीजडीड को ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु अथवा किसी अन्य कारण से बन्धक रखा हो तो इस संबंध में आपत्ति इस आम सूचना के जारी होने की तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर दें। अगर उक्त अवधि के भीतर कोई आपत्ति या सूचना प्राप्त नहीं होती है तो माना जायेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है तथा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 28.06.2008, शुद्धि विक्रय पत्र दिनांक 09.02.2026, पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 13.03.2011 एवं 15.04.2026 अनुसार औद्योगिक क्षेत्र मानसरोवर के भूखण्ड संख्याजी1-155(ए) क्षेत्रफल 501.50 वर्गमीटर के हस्तान्तरण की स्वीकृति मैसर्स जय श्री नेरू फैबरिस प्रा.लि. के पक्ष में जारी कर डुप्लीकेट/लीजडीड का निष्पादन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक, रीको, जयपुर (दक्षिण)

आम सूचना

हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण चंदन शर्मा पुत्र श्री ओमप्रकाश शर्मा, राहुल शर्मा पुत्र स्व. श्री आनन्द शर्मा द्वारा मकान नम्बर 3747, जयपुर नगर चौकडी पुरानी बस्ती, नाहरगढ रोड, बौंसली की टूंटी, चांदपोल बाजार, जयपुर में बनी एक दुकान दक्षिणी साईड की जिसकी नाप पूर्व से पश्चिम 34 फीट एवं उत्तर से दक्षिण 8 फीट 6 ईंच जिसका कुल क्षेत्रफल 32.11 वर्गगज है, को सत्यनारायण मिश्रा पुत्र स्व. श्री चन्द्रप्रकाश जी शर्मा निवासी मकान नम्बर 3744, 3746/3747, बौंसरी की टूंटी, नाहरगढ रोड, पुरानी बस्ती, जयपुर से क्रय करने का अनुबंध किया गया है। उक्त सम्पत्ति को बेचने बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह दस्तावेजों के साथ 07 दिवस में मुझसे सम्पर्क करते हुए आपत्तियों से अवगत करावे अन्यथा मेरे अभिभाष्यगण द्वारा विक्रय पत्र पंजीबद्ध करवा लिया जावेगा व इसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर, दिनांकः 25/03/2026 भवदीय
(जतिन मीना) एडवोकेट, मो.: 9929602562

जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के पास, जयपुर-302015, Tele Fax : 0141-2711075
EPABX :0141-2713666-69, ई-मेल: jaipurdairy@jaipurdairy.com वेबसाइट :www.jaipurdairy.com
निविदा सूचना
NIB Code CDF2627A0330 जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. में Cleaning Items & Flavoured Milk Can 200ML की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। NIB Code CDF2627A0329 जयपुर दुग्ध संघ में Hiring of Services of Labour Law Consultant For registration Under BOCW Act. & Generation of challan And Various Returns Under ESI Act. & Under EPF And MP Act हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत शर्ते, सूचना एवं महत्वपूर्ण दिनांक आदि संघ की वेबसाईट www.jaipurdairy.com एवं sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।
प्रबन्ध संचालक
जीवन में भरे रस, हमारा प्यारा

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
No. :- F. /OT/COA-K/2026/7169 Date :- 09/06/2026
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Kachha Farm Pond Digging are invited from interested bidders up to 12:00 PM of 15.06.2026 and the tender will be opened on 15.06.2026 at 01.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://sppp.raj.nic.in)** of the Rajasthan state; and **www.sknau.ac.in** University Website.
NIB code: SKN2627A0083 and UBN is: SKN2627SSRL00083
Raj.Samwad/C/26/4725 DEAN

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ. / स्कीम / 2026–27 / 856 दिनांक : 08.04.2026
सार्वजनिक सूचना
तिलक नगर योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 26 क्षेत्रफल 135.33 वर्गगज का आवासीय रूपान्तरण पट्टा विलेख क्रमांक 2460 दिनांक 19.12.2012 नगर सुधार न्यास, भरतपुर द्वारा श्रीमती कुट्टी अम्मा के.के. पत्नी श्री सुन्दरलाल कपूर जाति खत्री निवासी – 26, तिलक नगर, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्रीमती कुट्टी अम्मा के.के. पत्नी श्री सुन्दरलाल कपूर ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 30.01.2013 को श्रीमती भूदेई पत्नी श्री देवी सिंह को विक्रय कर दिया। श्रीमती भूदेई पत्नी श्री देवी सिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 05.03.2021 को श्री बच्चू सिंह पुत्र श्री शेर सिंह को विक्रय कर दिया। आवेदक श्री बच्चू सिंह पुत्र श्री शेर सिंह जाति जाट निवासी – 10/69 नेहरू नगर, तह० व जिला भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं।
भूखण्ड संख्या 26, तिलक नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 26, तिलक नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी, स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
क्रमांक : न.नि.भ. / स्कीम / 2026–27 / 6074–75 दिनांक : 12.06.2026
सार्वजनिक सूचना
रणजीत नगर योजना भरतपुर में आवासीय भूखण्ड संख्या 32-D श्री बुद्धाराम शर्मा पुत्र श्री नन्दनराम शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी – रणजीत नगर, भरतपुर के नाम 99 वर्षीय लीज होल्ड पर आवासीय भूखण्ड आवंटन / नीलामी में नगर विकास न्यास, भरतपुर द्वारा विक्रय किया गया था। जिसका क्षेत्रफल 600 वर्गगज है। उक्त भूखण्ड की लीजडीड श्री बुद्धाराम शर्मा पुत्र श्री नन्दनराम शर्मा के नाम पूर्व में जारी हो चुकी है। श्री बुद्धाराम शर्मा की मृत्यु दिनांक 04.11.2018 को हो चुकी है। रजिस्टर्ड रिलीजडीड दिनांक 08.06.2026 अनुसार श्री बुद्धाराम शर्मा के वारिसान् श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी स्व० श्री बुद्धाराम शर्मा, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्रान् स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा, श्रीमती अंजू पाराशर पुत्री स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा हैं। श्रीमती अंजू पाराशर पुत्री स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा ने जरिये रजिस्टर्ड रिलीजडीड दिनांक 08.06.2026 के द्वारा अपने हक का परित्याग श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्रान् स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा के हक में कर दिया। आवेदकान् श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी स्व० श्री बुद्धाराम शर्मा, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्रान् स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा के हक में कर दिया। आवेदकान् श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी स्व० श्री बुद्धा राम, श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा पुत्रान् स्व० श्री बुद्धा राम शर्मा जाति ब्राह्मण निवासीयान्– D-32, रणजीत नगर, भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।
इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 32-D, रणजीत नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी, नगर निगम, भरतपुर

मेरा सपना हमेशा जापान को विश्व कप जीतते देखना रहा है और उन्हें विश्वास है कि भविष्य में जापान यह उपलब्धि जरूर हासिल करेगा।

- वातारु एंडो

जापान फुटबॉल के कप्तान, अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बिल्टन सम्पायो

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज हो चुका है, लेकिन पहले ही मुकाबले में पूरी दुनिया की निगाहें गोल करने वाले खिलाड़ियों से ज्यादा मैच के रेफरी पर टिक गईं। एस्टाडियो एज़्टे स्टेडियम में मेजबान मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हरा तो दिया, लेकिन इस ओपनिंग मैच में असली सुर्खियां बटोरीं ब्राजील के रेफरी विल्टन सम्पायो ने। सम्पायो ने इस हाई-वोल्टेज मैच में एक या दो नहीं, मैच के दौरान लिए गए कई अनुशासनात्मक फैसलों ने इस मुकाबले को हाल के समय के सबसे हंगामेदार वर्ल्ड कप ओपनिंग मैचों में से एक बना दिया।

क्या आप जानते हैं ?... पहली बार फुटबॉल विश्व का आयोजन 1930 में उरुग्वे में हुआ था।

मशहूर भारतीय शूटर और कोच जसपाल राणा का निधन

नई दिल्ली, 12 जून। मशहूर भारतीय शूटर और कोच जसपाल राणा का आज निधन हो गया है। 49 वर्षीय राणा, जिन्होंने एक बेहतरीन शूटर के तौर पर देश का नाम रोशन किया और बाद में कोच के रूप में युवा प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाई, का निधन दिल से जुड़ी समस्याओं के कारण हो गया। उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित खेल जगत की कई हस्तियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

जसपाल राणा कौन थे - राणा को भारत के बेहतरीन पिस्टल शूटर्स में से एक और बाद के सालों में देश के सबसे प्रभावशाली कोचों में से एक माना जाता था। हाल के समय में उन्हें मुख्य रूप से मनु भाकर की सफलता के पीछे के व्यक्ति के तौर पर जाना जाता है - उन्हीं की देखरेख में भाकर ने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के लिए दो मेडल जीते और खेलों में देश की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनीं। एक खिलाड़ी के तौर पर, राणा ने एक दशक से भी ज़्यादा समय तक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शूटिंग में अपना दबदबा बनाए रखा। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में सबसे ज़्यादा मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं; उन्होंने 1994, 1998, 2002 और 2006 के चार संस्करणों में मेडल जीते। एक खिलाड़ी के तौर पर उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में रहा, जहाँ उन्होंने तीन गोल्ड मेडल जीते और 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की।

दौसा महिला टीम ने टी-20 टूर्नामेंट में प्री-क्वालीफाई किया

जयपुर, 12 जून। आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला टी-20 चैंपियनशिप 2026-27 के तीसरे मुकाबले में हनुमानगढ ने दौसा को 3 रन से हराया लेकिन अच्छी रन रेट और शानदार प्रदर्शन से दौसा टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल में किया क्वालीफाई'' जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि सीनियर महिला 20 चैंपियनशिप जिसके लीग मैच अलवर में सूरत क्रिकेट ग्राऊण्ड पर आयोजित किये जा रहे हैं दौसा का आज तीसरा लीग मुकाबला रोमांचक हुआ जिसमें हनुमानगढ ने दौसा की टीम को 3 रन से परास्त किया।

आर.डी. बाहेती मेमोरियल जिला बैडमिंटन 22 जून से

जयपुर, 12 जून। आर डी बाहेती मेमोरियल जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता 22 जून से 28 जून तक खेली जाएगी। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत व आर डी बाहेती के पुत्र प्रदीप बाहेती भूतपूर्व राष्ट्रीय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुसार जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता हास्य सम्राट व खेल प्रेमी स्वर्गीय आर डी बाहेती की स्मृति में आयोजित होगी । यह प्रतियोगिता 22 जून से 28 जून तक जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम पर सब जूनियर ,जूनियर, सीनियर व वेटरन कैटेगरी में खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता द्वारा जयपुर टीम का सिलेक्शन होगा तथा इसमें एंट्री भेजने की अंतिम तिथि 21 जून शाम 5:00 बजे तक रहेगी । प्रतियोगिता में एकल ,युगल तथा मिश्रित युगल के मैच खेले जाएंगे वह विजेताओं को सर्टिफिकेट मोमेंटो व ट्रॉफी दी जाएगी।

शिफान के शानदार शतक से रेलवे अकादमी ने शास्त्री अकादमी को 52 रनों से हराया

जयपुर, 12 जून। जयपुर के स्थानीय गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर चल रहे 9 हाजी गनी बाबा 20 टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में रेलवे अकादमी ने शास्त्री अकादमी को 52 रन से हराया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए रेलवे ने रिकॉर्ड 279/5 रन बनाए। जिसमें शिफान खान ने 151 (53) रन व गौरव मीणा ने 55 (22) रन व अर्णव वशिष्ठ ने 36 रन की पारी खेली। शास्त्री की ओर से गेंदबाजी में हर्ष, अल्तमाज, मंत्राज और रिहान ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में शास्त्री अकादमी 19.1 ओवर में 227/10 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रिहान अली ने 57 रन व महेश अधिकारी ने 53 रन व हर्ष सैनी ने 39 रन की पारी खेली। रेलवे की ओर से गेंदबाजी में गौरव मीणा ने 4 विकेट लिए व अर्णव वशिष्ठ ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच शिफान खान को चुना गया।

क्रीड़ा परिषद के कर्मचारियों ने परिषद के अध्यक्ष को दिया ज्ञापन

जयपुर, 12 जून। कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को कर्मचारियो की परेशानियो के बारे में अवगत कराया। राठौड़ ने सेवानिवृत कर्मचारियों को गत तीन माह से पेंशन का भुगतान नही होने के बारे में जानकारी दी। पेंशन परिलाभ नहीं दिये जाने का कारण भी पूछा। महासंघ के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारियो ने भी विभिन्न मांगो के बारे में अवगत कराया। पोकर मल, श्याम वीर सिंह नाथावत, करण सिंह शेखावत, राजनारायण शर्मा, निरंजन पारीक, उर्मिला पोकर, विशाल सिंह खेल अधिकारी बारां (मेजर ध्यानचन्द जी का पौत्र) रणविजय सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, गोपाल सैनी ओलम्पियन एवं अर्जुन अवार्डी आदि कर्मचारीगणो ने प्रवीण गुप्ता अतिरिक्त मुख्य सचिव से वार्ता की। गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा से बात की एवं वित्त विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी एक्सपेंडिचर ललित को तुरन्त फोन करके सेवा निवृत अधिकारियों और कर्मचारियों को पेंशन रोकने के बारे में जानकारी ली और उनका आदेश दिया।

फीफा विश्व कप 2026

उद्घाटन मुकाबले में मैक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

मेक्सिको सिटी, 12 जून। फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरुआत की। एस्टादियो एज़्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए।

मेक्सिको ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज़्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा। दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने ब्रायन गुटिरेज़ को गोल करने की स्थिति में रोकने का प्रयास किया था, जिसे रेफरी ने स्पष्ट गोल अवसर रोकना माना। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए मेक्सिको ने 67वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज़ ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और खराब तब हुई जब मैच के अंतिम चरण में थेम्बा ज्वाने को भी लाल कार्ड मिला और टीम नौ खिलाड़ियों तक सिमट गई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मेक्सिको को भी झटका लगा जब 90 मिनट के बाद सेसर मोंटेस को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेजा गया। मेक्सिको ने इस जीत के साथ विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत की और घरेलू मैदान पर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

ह्वांग इन बोम के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत द. कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया

ग्वाडलाहारा, 12 जून। फीफा विश्व कप 2026 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की।

ग्वाडलाहारा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह खेले गए इस मुकाबले में ह्वांग इन-बोम एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायता देकर जीत के नायक बने। पहले हाफ में दोनों टीमें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकीं और दर्शकों ने निराशा भी जताई। गोलरहित पहले हाफ के बाद मुकाबले में जान दूसरे हिस्से में आई। 59वें मिनट में चेक गणराज्य ने बढ़त बनाई। कप्तान लादिस्लाव क्रेज़ी ने पेनल्टी क्षेत्र में मिले लंबे थ्रो को हेडर के जरिए गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दक्षिण कोरिया ने जल्द ही वापसी की। 67वें मिनट में ह्वांग इन-बोम ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो रक्षकों को छकाया और शानदार गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग ने दाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर ओ ह्योन-ग्यू ने गोल कर दक्षिण कोरिया को निर्णायक बढ़त दिला दी। स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन की अगुआई में दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और चेक टीम पर लगातार दबाव बनाया। फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद कोरिया ने 38वीं रैंकिंग वाली चेक टीम की तुलना में अधिक मौके बनाए और अंततः जीत हासिल की।

फुटबॉल कम, लाल कार्ड का ड्रामा ज्यादा, फीफा के नए टूर्नामेंट पर उठे सवाल

मेक्सिको सिटी, 12 जून। विश्व कप 2026 का पहला मुकाबला खत्म होने के बाद फुटबॉल जगत में केवल मेक्सिको की जीत की चर्चा नहीं हो रही है, बल्कि मैदान पर दिखे लाल कार्ड, एकतरफा खेल और कई ऐतिहासिक घटनाएं भी सुर्खियों में हैं। मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, लेकिन यह मुकाबला कई ऐसे रिकॉर्ड छोड़ गया जिसने टूर्नामेंट की दिशा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। बता दें कि विश्व कप के उद्घाटन मुकाबले में लाल कार्ड देखने की घटना बेहद दुर्लभ रही है। इससे पहले वर्ष 1994 में बोलीविया के मार्कफ एचेवेरी को जर्मनी के खिलाफ उद्घाटन मुकाबले में लाल कार्ड दिखाया गया था। वहीं सिथोले विश्व कप इतिहास में ऐसे चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने एक ही मुकाबले में गोल कराने वाली गलती भी की और लाल कार्ड भी देखा। दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी थेम्बा ज्वाने को भी वीडियो समीक्षा के बाद हिंसक व्यवहार का दोषी मानते हुए मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद अतिरिक्त समय में मेक्सिको के सेसर मोंटेस को भी लाल कार्ड दिखाया गया।

केन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन, 12 जून। न्यूजीलैंड के महान बल्लेबाज और देश के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी केन विलियमसन ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 35 वर्षीय विलियमसन ने अपने 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों को मिलाकर 378 मैच खेले और 19,346 रन बनाए। उनके नाम 48 शतक और छह दोहरे शतक दर्ज हैं।

साल 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था और अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पूरी तरह विदाई ले ली है। संन्यास की घोषणा करते हुए विलियमसन ने कहा, मैंने इस बारे में काफी समय तक सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मुझे स्पष्ट हो गया कि अब यही सही समय है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए मेरे भीतर हमेशा एक मजबूत जुनून और भूख रही है।

सीनियर नेशनल तैराकी 16 से अहमदाबाद में, राजस्थान का दस सदस्यीय दल 22 स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगा

जयपुर, 12 जून। सीनियर नेशनल तैराकी प्रतियोगिता 16 से 21 जून तक अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में राजस्थान का 10 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा, जो कुल 22 स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बुधवार को यहां राजस्थान टीम की घोषणा करते हुए बताया कि टीम में पुरुष वर्ग में 6 और महिला वर्ग में 4 तैराक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के ये तैराक पुरुष और महिला वर्ग की 11-11 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। अनिल व्यास ने बताया कि महिला वर्ग में योग्या खींची 100 और 50 मीटर फ्रीस्टाइल तथा 100 और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, जबकि दक्षिणा जोशी 50, 100 और 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में अपनी चुनौती पेश करेंगी। रितिका चौधरी 200 और 400 मीटर इंडिविजुअल मेडले के साथ 200 मीटर फ्रीस्टाइल में उतरेंगी, वहीं विधि सनाढ्य 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक इवेंट में मुकाबला करेंगी। व्यास ने बताया कि पुरुष वर्ग में कनिष्क नागर, मोहम्मद अनस 50, 100 और 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक, यश 50 और 100 मीटर फ्रीस्टाइल, कृष्णादित्य सिंह 50 और 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जबकि हिमांशु सियाग 800 मीटर फ्रीस्टाइल और 400 मीटर इंडिविजुअल मेडले तथा सिरजन देओल 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक इवेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन : सिंधु सेमीफाइनल में, तान्वी का सफर समाप्त

सिडनी, 12 जून। ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सू यू को एकतरफा अंदाज में 21-6, 21-9 से हराया। पूरे मुकाबले में सिंधु ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। हाल के महीनों में यह सिंधु की सबसे प्रभावशाली जीतों में से एक रही। अब सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला जापान की शीर्ष वरीय खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा। दूसरी ओर भारत की युवा खिलाड़ी तान्वी शर्मा का शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया।

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला आज

धर्मशाला, 12 जून। विश्व के सबसे खूबसूरत क्रिकेट स्टेडियम में से एक एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को भारत और अफ़गानिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज का पहला मैच धर्मशाला के लश ग्रीन मैदान में खेला जाएगा। वनडे में टीम इंडिया के आगे भले ही अफगानिस्तान का रिकॉर्ड कोई खास नहीं रहा है लेकिन फिर भी इस मैच के रोमांचक होने की उम्मीद की जा रही है। डे नाईट पहले वनडे इंटरनेशनल मैच को लेकर न सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों बल्कि खिलाड़ियों में भी खासा उत्साह है। धर्मशाला में देश भर सहित अफगानिस्तान से भी प्रशंसक दुनिया के बड़े क्रिकेट खिलाड़ियों को मैदान पर खेलते देखने के लिए पंहुच रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, कप्तान शुभमन गिल और कई अन्य भारतीय स्टार खिलाड़ी पहले ही धर्मशाला पंहुच चुके हैं, जिससे क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह और बढ़ गया है। इस नज़ारे में कुदरत का अपना शानदार मंच भी चार चांद लगा रहा है। उधर पिछले कुछ दिनों में धौलाधार

पर्वतमाला पर हुई ताज़ा बर्फबारी ने पहाड़ों के बैकग्राउंड को एक बेहद खूबसूरत नज़ारे में बदल दिया है। हरे-भरे मैदान के ऊपर बर्फ से ढकी चोटियों ने एक बार फिर दुनिया को याद दिलाया है कि धर्मशाला को दुनिया का सबसे खूबसूरत क्रिकेट वेन्यू क्यों माना जाता है। पहाड़ों की साफ़ हवा, सुहावने मौसम और हिमालय के बेमिसाल नज़ारों के साथ, कल का वनडे मैच सिर्फ़ एक क्रिकेट मैच से कहीं ज़्यादा यह खेल, संस्कृति, आध्यात्मिकता और प्रकृति का जश्न होगा। इस मौके पर बोलते हुए एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने कहा कि इंद्रुनाग देवता के आशीर्वाद से मैच की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और एसोसिएशन एक और यादगार इंटरनेशनल मैच की मेज़बानी करने के लिए उत्साहित है।

भारत का पलड़ा भारी, 4 में से 3 में मिली है जीत

वहीं भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए एकदिवसीय मैचों की बात करें तो अब तक इन दोनों टीमों के बीच चार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं जिनमें भारत ने तीन में जीत हासिल की है जबकि एक मैच टाई रहा है। ऐसे में अफगानिस्तान अभी तक भारत के साथ हुए एकदिवसीय मुकाबलों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया है।

60 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली, 12 जून। फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड एक बार फिर उस खिताब की तलाश में उतरेगा जिसका इंतजार उसे 1966 के बाद से है। पिछली कई पीढ़ियों की तरह इस बार भी टीम प्रतिभा से भरपूर है, लेकिन फर्क इस बार नेतृत्व में दिखाई देता है। जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में इंग्लैंड नई सोच और स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान में उतरने जा रहा है।

इंग्लैंड का फीफा विश्व कप में पहला मैच 18 जून को क्रोएशिया से होगा

ट्यूशेल की नियुक्ति शुरुआत में चर्चा और आलोचना का विषय रही, लेकिन उनके नेतृत्व में इंग्लैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ मुकाबले जीते और पूरे अभियान में एक भी गोल नहीं खाया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। इस बार इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित आक्रमण माना जा रहा है। कप्तान हैरी केन अब भी टीम के प्रमुख गोल स्कोरर हैं, लेकिन उनके आसपास मार्कस रैशफोर्ड, बुकायो साका, एंथनी गॉर्डन और मॉर्गन रोजर्स जैसे तेज और रचनात्मक खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम की रणनीति केन की फिनिशिंग और उनके खेल निर्माण दोनों गुणों का अधिकतम उपयोग करने पर आधारित होगी। मिडफील्ड में डेक्लान राइस पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके साथ युवा इलियट एंडरसन टीम को संतुलन देने की कोशिश करेंगे। वहीं जूड बेलिंघम से भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद रहेगी। हालांकि इंग्लैंड की चिंता रक्षा पंक्ति को लेकर बनी हुई है। जॉन स्टोन्स और रीस जेम्स चोटों से जूझते रहे हैं जबकि कई युवा खिलाड़ियों के पास बड़े टूर्नामेंट का सीमित अनुभव है। गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में बने हुए हैं।

नजर रखने लायक खिलाड़ी: हैरी केन - इंग्लैंड के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैरी केन एक बार फिर टीम की उम्मीदों का केंद्र होंगे। 2018 विश्व कप गोल्डन बूट जीत चुके केन इस बार खिताब के साथ अपने करियर को नई ऊंचाई देना चाहेंगे। यूरोप के सफल कोचों में शामिल थॉमस ट्यूशेल इससे पहले क्लब स्तर पर कई बड़े खिताब जीत चुके हैं।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल कुम्हेर, जिला डीग (राज0)

क्रमांक :- न.पा.कु./2026/629 दिनांक :- 10.06.2026

NOTICE OF INVITING BID NO 03 /2026-27

Bids for Door To Door Waste Collection, Segrigation and Transpotation in Municipal Areas are invited from interested bidders up to 06:00 PM 24.06.2026 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in)

NIB Code- DLB2627A2897

UBN CODE- DLB2627GLOB07170

Raj.Samwad/C/26/4713

EXECUTIVE OFFICER
MUNICIPAL BOARD KUMHER

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड-306401)

टेलीफोन :- 02932-250033 ई-मेल :-cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक : प.19( )गैराज/2026/594 दिनांक : 09.06.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या ...../2026-27

नगर निगम, पाली की ओर से पाली नगर निगम एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से गैराज शाखा पर दर अनुबंध के लिए ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो वेबपोर्टल www.sppp.raj.gov.in, www.eproc.rajastha.gov.in निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

जिसके UBN नम्बर DLB2627SLRC07032 है। आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/4700 नगर निगम, पाली

कार्यालय नगरपरिषद इगलावाड़ (राज0)

क्रमांक : न.परि.झा./SBM/2026/2198 दिनांक: 09.06.2026

-: Corrigendum II :-
(Nit No. 5/2026-27)

UBN No :- DLB2627SLOB05130

NIB Code :- DLB2627A1950

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2026-27 में Recruitment of Consulting Firm for preparation of Pre-feasibility Report, Detailed Project Report including cost estimates, Tender Document for the project of increasing the capacity of STP, construction of pumping station, recycling of treated waste water & interception & diversion infrastructure के कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की गयी थी जिसमे निविदा प्रपत्र एवं शर्तो में संशोधन का विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त किये जा सकेंगे।

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/4684 नगरपरिषद् झालावाड

APOLLO COLLEGE OF VETERINARY MEDICINE

Agra Road Jaipur-302031 (Rajasthan) Website: www.apollovet.org

Email: apollovetjaipur@gmail.com Contact: 7005527322, 0141-2682335

RECRUITMENT OF TEACHING STAFF
ADVERTISEMENT NO. (02/2026)

Bio-data along with relevant documents are being invited for the following posts upto 25th June, 2026 either by speed post or by email apollovetjaipur@gmail.com. The applicant should have minimum qualifications of M.V.Sc. / Ph.D. in the concerned subject. The retired Professor may also apply.

NAME OF DEPARTMENTS	NAME OF POST		
	PROFESSOR	ASSOCIATE PROFESSOR	ASSISTANT PROFESSOR
VETERINARY ANATOMY	---	1	---
VETERINARY PHYSIOLOGY & BIOCHEMISTRY	---	---	1*
VETERINARY CLINICAL COMPLEX	---	---	1*
LIVESTOCK FARM COMPLEX	1	---	---

Note: 1. Assistant Professor - *Veterinary Biochemistry
2. Professors and Associate Professors should not exceed 70 years of age.
3. Send the biodata alongwith xerox copy of UG, PG, Ph.D. Degree, copy of experience certificate, copy of published articles etc.

DEAN

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)

Email id : kotputliulb.jaipur@yahoo.com

क्रमांकः- न.प.कोट/2026-27/367 दिनांकः- 04.06.2026

ई-निविदा सूचना - न.पा.कोट./2026-27/364

नगरपरिषद कोटपूतली की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा website www.sppp.raj.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती है RTPP एक्ट की नियम और शर्त लागु होंगी जिसके NIB Code व UBN No. इस प्रकार है

S.NO	WORK S.NO.	SPPP UBN	NIB NO.
01.	1	DLB2627WSOB06347	DLB2627A2555
02.	2	DLB2627WSOB06348	DLB2627A2555
03.	3	DLB2627WSOB06349	DLB2627A2555
04.	4	DLB2627WSOB06350	DLB2627A2555
05.	5	DLB2627WSOB06352	DLB2627A2555
06.	6	DLB2627WSOB06353	DLB2627A2555
07.	7	DLB2627WSOB06354	DLB2627A2555
08.	8	DLB2627WSOB06355	DLB2627A2555
09.	9	DLB2627WSOB06356	DLB2627A2555
10.	10	DLB2627WSOB06357	DLB2627A2555
11.	11	DLB2627WSOB06358	DLB2627A2555
12.	12	DLB2627WSOB06359	DLB2627A2555
13.	13	DLB2627WSOB06360	DLB2627A2555
14.	14	DLB2627WSOB06361	DLB2627A2555
15.	15	DLB2627WSOB06362	DLB2627A2555
16.	16	DLB2627WSOB06363	DLB2627A2555

राज.संवाद/सी/26/4809 आयुक्त, नगरपरिषद् कोटपूतली

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन नं0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com

क्रमांक : 1482 दिनांक: 09.06.2026

ई-निविदा सूचना

कार्यालय नगर परिशद करौली द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु EWSD श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्य के लिए धरोहर राशि के अनुमानित लागत पर संवेदक द्वारा (2%/0.5%) राशि एवं टैण्डर शुल्क 1000-रू. एवं प्रोसेसिंग शुल्क 500/-रू. पृथक-पृथक रूप से खाते में RTGS/NEFT के माध्यम से जमा कराना होगा। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

कार्य का नाम	Reparing and Maintenance work of Led street lights in Nagar Parishad Karauli . (ARC)
निविदा की लागत	45.97 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु लागत का 2 प्रतिशत
निविदा शुल्क	1000/- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	दिनांक 12.06.2026 समय 12:00 पीएम से दिनांक 29.06.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	29.06.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	30.06.2026 समय 2:00 पीएम0
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in/
कार्य की समयावधि	ARC(12 month)
UBN.-	DLB2627WSOB07144

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/4813 नगरपरिषद, करौली

धरती माता को जहरीले रसायन व कीटनाशकों से नुकसान होता है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राज्य व गुजरात के राज्यपालों के साथ किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आव्हान किया

जयपुर, 12 जून। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, किसान मोर्चा अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं मल्लखम्भ प्रदर्शन में शिरकत करते हुए किसानों से रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग कम करने एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आव्हान किया। बागड़े ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि वे रसायन मुक्त अनाज तैयार करें और लोगों को बीमारियों से बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

- गुजरात के राज्यपाल आचार्य देबब्रत ने कहा कि वे स्वयं कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करते हुए प्राकृतिक खेती करते हैं, जिसका उत्पादन रासायनिक खेती से कहीं अधिक होता है।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं मल्लखम्भ प्रदर्शन में शिरकत की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमें प्राकृतिक खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती माता को जहरीले रसायन और कीटनाशकों से नुकसान होता है।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि वे स्वयं कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करते हुए प्राकृतिक खेती करते हैं, जिसका उत्पादन रासायनिक खेती से कहीं अधिक होता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कीटनाशकों का उपयोग कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन रहा है। इसलिए किसान प्राकृतिक खाद का उपयोग करें।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि उन्होंने एक आपराधिक मामले की जानकारी छिपाई। सिंघवी ने कहा कि जिस आपराधिक मामले का जिक्र किया जा रहा है, उसमें अभी संज्ञान भी नहीं लिया गया है।

नटराजन के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 के तहत संज्ञान लेने से पहले का समन जारी किया गया है।

जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 33ए के मुताबिक उन्हीं आपराधिक मामलों का खुलासा करना है जिनमें संज्ञान लिया जा चुका है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निर्वाची अधिकारी अरविन्द शर्मा ने ये कहते हुए खारिज कर दी थी कि उन्होंने अपने खिलाफ तेलंगाना में लंबित आपराधिक मामले का खुलासा नामांकन पत्र में नहीं किया।

ममता बनर्जी पर हिंदू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिषेक बनर्जी ने यह भी कहा था कि चुनाव परिणाम आने के बाद मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए डायमंड हार्बर क्षेत्र में अतिरिक्त विद्युत शवदाह गृह स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा था कि चुनाव के बाद शिकायतों के निपटारे की निगरानी वे स्वयं करेंगे। अभिषेक और ममता दोनों को विश्वास था कि वे फिर से सत्ता में लौट आएंगे।

राज्य के मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग भी ममता बनर्जी और उनकी टिप्पणियों की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें भड़काने वाले (एजेंट प्रोवोकेटर) के रूप में प्रस्तुत किया गया। ममता और अभिषेक बनर्जी के भाषणों में चुनाव परिणामों के बाद नरसंहार जैसी स्थिति की तस्वीर पेश की गई थी। ममता बनर्जी पर अब कई और मामलों में भी एफआईआर दर्ज हो रही हैं और जांच चल रही है। इनमें औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के नाम पर आयोजित सम्मेलनों से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के आरोप शामिल हैं।

सिर्फ एक इवेंट, बंगाल बिजनेस समिट, के लिए प्रचार और विज्ञापन के नाम पर एक निजी एजेंसी को 635 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इसके अलावा भी कई अन्य अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायक भी इस विरोध में शामिल हो गए हैं।

इस बीच खबरें हैं कि कम से कम बीस सांसदों ने औपचारिक रूप से संसद अध्यक्ष को पत्र देकर अपने लिए अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। उनका दावा है कि बीस सांसदों का यह समूह ही वास्तविक तृणमूल कांग्रेस है।

यदि संख्या को आधार माना जाए, तो विद्रोही समूह को ही असली तृणमूल कांग्रेस माना जा सकता है, जबकि ममता बनर्जी के साथ बहुत कम लोग ही बचे हैं।

नीट परीक्षार्थियों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सभी पेज प्रश्न पुस्तिका के अंत में दिए जाते थे। कई अभ्यर्थियों, विशेषकर बाएं हाथ से लिखने वाले छात्रों ने इसे असुविधाजनक बताया था।

इस फीडबैक को ध्यान में रखते हुए अब दो रफ वर्क पेज निर्देश पृष्ठ के तुरंत बाद प्रश्न पुस्तिका की शुरुआत में दिए जाएंगे, जबकि दो पेज अंत में उपलब्ध रहेंगे। यह व्यवस्था अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध सभी प्रश्न पुस्तिकाओं में लागू होगी।

हालांकि एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता के उच्च मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कोलकाता में 4000 ईवीएम जलकर नष्ट हुए

कोलकाता, 12 जून। पश्चिम बंगाल में तृणमूल की टूट से मचे सियासी घमासान के बीच कोलकाता में चौंका देने वाली घटना सामने आई है। कोलकाता के अलीपुरद्वार इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से 4000 ईवीएम जल गई हैं। आग लगने के बाद लगभग 24 घंटे तक फायर सर्विस के कर्मचारी आग बुझाने में लगे रहे। शुभेन्दु अधिकारी सरकार में मंत्री कौशिक चौधरी ने हादसे पर शक जताया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को दक्षिण कोलकाता के अलीपुर इलाके में नौ मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। इस इमारत में अन्य विभागों के अलावा, दक्षिण 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी था। इन ईवीएम का इस्तेमाल राज्य में इस साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान 10 निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया था।

- ये ईवीएम का उपयोग हाल ही हुए विधानसभा चुनाव में 10 निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ था।

ट्रम्प ने जे क्लेटन को शीर्ष खुफिया प्रमुख नामित किया

वाशिंगटन, 12 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने जाने-माने अभियोजक और पूर्व बाजार नियामक प्रमुख जे क्लेटन को अगला स्थायी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस (डीएनआई) नामित करने की घोषणा की है।

ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर गुरुवार को यह फैसला घोषित किया जो उनके उस पिछले विवादित कदम के बाद पैदा हुए भारी राजनीतिक गतिरोध के बीच आया है, जिसमें उन्होंने अपने वफादार सहयोगी बिल पुल्टे को कार्यवाहक खुफिया प्रमुख नियुक्त कर दिया था। राष्ट्रीय सुरक्षा या खुफिया मामलों का कोई अनुभव न होने के कारण रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही दलों के सांसदों ने पुल्टे की नियुक्ति की तीखी आलोचना की थी। ट्रम्प ने संसद में अपनी ही पार्टी के भीतर बढ़ती बगावत को शांत करने के उद्देश्य से एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाते हुए यह घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "मुझे सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के पूर्व चेयरमैन और न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के मौजूदा अमेरिकी अटॉर्नी जे क्लेटन को अगला डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस और अपनी कैबिनेट में शामिल करने के लिए नामित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। कानूनी समुदाय में जे क्लेटन का असाधारण सम्मान है। मैं अमेरिकी सीनेट से आग्रह करता हूं कि वे जल्द से जल्द उनके नाम को मंजूरी दें।" सूत्रों के अनुसार, क्लेटन के नाम की सिफारिश केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने राष्ट्रपति ट्रम्प से की थी।

- ट्रम्प ने संसद में अपनी ही पार्टी के भीतर बढ़ती बगावत को शांत करने के उद्देश्य से एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाते हुए यह घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि यह हाई-प्रोफाइल राजनीतिक ड्रामा बीते मई महीने में पूर्व डीएनआई तुलसी गैबार्ड के अचानक इस्तीफे के बाद शुरू हुआ था, जिन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया था।

दिल्ली में आग से तीन की मौत

नई दिल्ली, 12 जून। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया।

- तुगलकाबाद इलाके में पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में आग लगी जो पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई।

फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

'रूस से तेल खरीदने पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीदना शुरू कर दिया था।

जयशंकर ने यूरोप की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले दशकों में यूरोपीय देशों द्वारा दिये गये अनेक हथियार अंततः उन देशों के हाथों में चले गए, जिन्होंने उनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया। उन्होंने इसके विपरीत, भारत का रिकॉर्ड बताते हुए कहा कि नई दिल्ली ने कभी भी यूरोपीय सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला और भारत निर्मित कोई हथियार यूरोपीय देशों के खिलाफ इस्तेमाल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा, "किसी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं हुआ है। काश मैं यूरोप के हथियारों के बारे में यही कह पाता।" उन्होंने यह टिप्पणी श्रोताओं को भारत के इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की याद दिलाने के लिए की गई।

क्या अखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महासचिव अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी के साथ डेढ़ घंटा लंबी मीटिंग हुई जिसमें अभिषेक बनर्जी ने संदेश दिया कि तृणमूल एक मजबूत गठबंधन चाहती है और विपक्षी खेमे में राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार करती है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि विलय का कोई प्रस्ताव आता है, तो उसकी पहल तृणमूल कांग्रेस की ओर से होनी चाहिए। कांग्रेस स्वयं ऐसे किसी कदम के लिए दबाव नहीं बना रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908